जयपुर से प्रकाशित हिंदी समाचार पत्र

सिंधु चौपाल

बागी कलम,बेखोफ सच

Www.sindhuchaupal.com

PRGI पंजीयन सं.: RJHIN/26/A6388

संपादक-जयप्रकाश बूलचंदानी
संपर्क:-9649457589
sindhuchaupalnews@gmail.com

वर्ष 1 अंक 1 जयपुर गुरूवार, 13 अगस्त 2026 8 पृष्ठ ₹10.00

मध्य प्रदेश में भारी बारिश

मध्य प्रदेश में बारिश से 10 जिलों में अलर्ट जारी

शहर रिपोर्टर मध्य प्रदेश में मानसून ने फिर से अपना रौद्र रूप दिखाया है। पिछले दो दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिससे जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। राजधानी भोपाल में 24 घंटे में करीब 7 इंच पानी गिरा, जिससे निचले इलाकों में जलभराव हो गया। कई स्थानों पर सड़कें और रास्ते पानी में डूब गए हैं। भोपाल के बड़े तालाब का जलस्तर करीब तीन फीट बढ़ गया है।

सीहोर के कोलार बांध में भी जलस्तर तेजी से बढ़ा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, 10 अगस्त को उत्तर मध्य प्रदेश में कम दबाव का क्षेत्र बना था।

राजस्थान में 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' के तहत होंगे चुनाव

डेस्क संवाददाता राजस्थान सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। पहली बार 'वन स्टेट- वन इलेक्शन' के तहत पंचायत और निकाय चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। इस निर्णय से चुनावी प्रक्रिया को सरल बनाने और खर्चों में कमी लाने का प्रयास किया गया है।

चुनाव प्रक्रिया मध्य नवंबर तक पूरी होने की योजना है। सीएम भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक में ओबीसी आयोग की सिफारिशों को भी मंजूरी दी गई। अब आरक्षित सीटों के लिए लॉटरी प्रक्रिया शुरू होगी, जिससे चुनावी पारदर्शिता बढ़ेगी। राजस्थान में इस नई चुनावी व्यवस्था के तहत सभी पंचायतों और स्थानीय निकायों के चुनाव एक ही समय पर होंगे। इससे मतदाताओं को एक ही बार में सभी चुनावों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। यह निर्णय चुनावी प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य मजदूरी संहिता-2026 को भी मंजूरी दी गई है। इस नए नियम के तहत कर्मचारियों को सैलरी स्लिप देना अनिवार्य होगा। इससे श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा होगी और श्रमिकों की शिकायतें अब ऑनलाइन दर्ज की जा सकेंगी। केंद्र सरकार के 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत 9 से 17 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

उत्तर प्रदेश में भाजपा ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को बड़े स्तर पर चलाने का फैसला किया

सभी के लिए तिरंगा फहराने का आह्वान

विशेष रिपोर्ट भारतीय जनता पार्टी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश में 10 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा-तिरंगा यात्रा' अभियान को बड़े स्तर पर चलाने का निर्णय लिया है। इस अभियान का उद्देश्य हर भारतीय को तिरंगे के प्रति जागरूक करना और उसे गर्व से फहराने के लिए प्रेरित करना है। पार्टी ने इस अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि प्रत्येक बूथ पर कम से कम 50 परिवारों लोगों को इस अभियान से जोड़ा जाए। यह रणनीति सुनिश्चित करेगी कि हर नागरिक इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बने। प्रदेशभर में तिरंगा यात्राएं, शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का सम्मान, स्वच्छता अभियान और 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ये कार्यक्रम तिरंगे के प्रति लोगों में जागरूकता और सम्मान पैदा करने में मदद करेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे अपने घरों, प्रतिष्ठानों और संस्थानों पर तिरंगा फहराएं। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में कहा, तिरंगा हमारे राष्ट्र की अस्मिता, एकता और गौरव का सर्वोच्च प्रतीक है। भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह तिरंगा प्रत्येक भारतीय के हृदय में देशभक्ति, कर्तव्य और राष्ट्र प्रथम की भावना को और प्रबल करता है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि 9 अगस्त से 17 अगस्त तक आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत अपने घरों पर तिरंगा अवश्य फहराएं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग अपनी एक सेल्फी लेकर 'हर घर तिरंगा' वेबसाइट पर अपलोड करें और इस जनभागीदारी अभियान से जुड़कर राष्ट्र के प्रति अपने सम्मान और गौरव को अभिव्यक्त करें। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी प्रदेशवासियों से अपील की है कि 9 से 17 अगस्त तक आयोजित 'हर घर तिरंगा' अभियान में भाग लें और इसे राष्ट्रभक्ति का पर्व बनाएं। हरियाणा में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत राज्य स्तरीय कार्यक्रम 'यूथ मैराथन एवं वंदे मातरम् कॉन्सर्ट' का आयोजन किया गया है। इसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी शामिल हुए हैं। इस वर्ष 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रप्रेम और जनभागीदारी का एक व्यापक जनआंदोलन बन चुका है।

भगोड़ों पर शिकंजा, ऑपरेशन त्रिशूल शुरू

खास खबर भारत सरकार ने विदेशों में छिपे भगोड़ों की पहचान के लिए 'ऑपरेशन त्रिशूल' शुरू किया है। इस अभियान के तहत सैटेलाइट तकनीक, डिजिटल फुटप्रिंट और जियो-लोकेशन का इस्तेमाल हो रहा है। सरकार ने भगोड़ों को वापस लाना राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है। पिछले चार वर्षों में 2019 से 2026 तक 274 भगोड़ों को भारत लाया गया है। इनमें हत्या, यौन अपराध, संगठित अपराध, मानव तस्करी और आतंकवाद जैसे गंभीर मामले शामिल हैं।

सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमले में 11 लोग घायल हुए

डेस्क संवाददाता यमन के हूती विद्रोहियों ने दक्षिणी सऊदी अरब पर हमला किया, जिसमें 11 लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी सऊदी सैन्य अधिकारियों ने दी है। मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने आरोप लगाया कि हूती विद्रोहियों ने रिहायशी इलाकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलाबारी की। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा के लिए गठबंधन सभी आवश्यक कदम उठाता रहेगा। घायलों में सात सऊदी नागरिक, एक यमनी, दो मिस्र के नागरिक और एक पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं।

यूक्रेन के ड्रोन हमले से विल्डबेरिंएस में आग

वरिष्ठ प्रतिनिधि यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद रूस के तुला क्षेत्र में विल्डबेरिंएस के लॉजिस्टिक्स हब में भीषण आग लग गई। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया, जबकि कई इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। तुला क्षेत्र के गवर्नर दिमित्री मिल्यायेव ने बताया कि रात में मिसाइल और ड्रोन हमले की चेतावनी जारी की गई थी। यह चेतावनी सुबह तक बनी रही। विल्डबेरिंएस ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हमले के तुरंत बाद सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। कंपनी ने ग्राहकों की डिलीवरी प्रभावित न हो, इसके लिए लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी रूट को नजदीकी सेंटर पर शिफ्ट कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में ड्रोन हमलों में विल्डबेरिंएस के 12 से ज्यादा सेंटरों को नुकसान पहुंच चुका है।

ईरान: हम हर खतरे का जवाब देने के लिए तैयार

स्थानीय प्रतिनिधि ईरान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल माजिद इब्न-ए-रेज़ा ने कहा है कि उनकी सेना हर बाहरी खतरे का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच यह बयान आया है। माजिद ने यह भी दावा किया कि जिन देशों की सुरक्षा और सैन्य ताकत विदेशी हथियारों पर निर्भर है, उन्हें पता चल जाएगा कि ईरान की स्वदेशी तकनीक अधिक सक्षम है। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में होर्मुज स्ट्रेट को लेकर कड़ी चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि यदि यह स्ट्रेट जल्द नहीं खोला गया, तो ईरान को कड़ा जवाब दिया जाएगा। माजिद का बयान ट्रंप की चेतावनी के बाद आया है, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। माजिद ने यह भी कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच इस मुद्दे पर सकारात्मक बातचीत चल रही है और जल्द ही समाधान निकल सकता है।

हालांकि, ईरान ने बातचीत के दावे से इनकार किया है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं चल रही है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस समय इराक में धार्मिक यात्रा पर हैं। बता दें कि होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। इसी रास्ते से खाड़ी देशों का कच्चा तेल और एलएनजी वैश्विक बाजारों तक पहुंचता है।

हरभजन सिंह ने संसद में विपक्ष के प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए समाधान की आवश्यकता बताई

प्रधानमंत्री ने सांसदों को संसद की कार्यवाही में भाग लेने की दी सलाह

खास खबर हरभजन सिंह ने संसद में विपक्ष के प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि किसी मुद्दे पर वास्तविक चिंता है तो उसका सबसे प्रभावी मंच संसद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल बाहर बैठकर विरोध करने से समाधान नहीं निकलेगा। बदलाव लाने के लिए सदन के भीतर तथ्यों और तर्कों के साथ चर्चा करनी चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में बहस और संवाद ही सबसे मजबूत माध्यम हैं। मानसून सत्र 2026 में लगातार हंगामे से कार्यवाही प्रभावित हो रही है। इस बार कई मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं। विपक्ष विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय विषयों पर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। सरकार का कहना है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और जनहित के मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद का सुचारु रूप से चलना जरूरी है। संसदीय मामलों के जानकारों का मानना है कि संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का अधिकार है। बार-बार कार्यवाही बाधित होने से जनता से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा प्रभावित होती है। हरभजन सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में संवाद की अहम भूमिका होती है। भारतीय संसदीय व्यवस्था में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है। हरभजन सिंह के बयान को ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब संसद के भीतर और बाहर राजनीतिक टकराव तेज है। उनका संदेश इस बात पर जोर देता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उनका समाधान संवाद, बहस और संसदीय प्रक्रिया के माध्यम से ही अधिक प्रभावी ढंग से निकाला जा सकता है।

जयपुर नगर निगम चुनावों में आरक्षण से दावेदारों की चिंता

जिला रिपोर्टर जयपुर नगर निगम चुनावों की घोषणा से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। आरक्षण की प्रक्रिया में बदलाव के कारण कई दावेदारों की रणनीतियों में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। यदि वर्तमान वार्ड महिला, एससी, एसटी या ओबीसी श्रेणी के लिए आरक्षित हो जाता है, तो पुराने चेहरों को पड़ोसी सामान्य वार्ड में स्थानांतरित होना पड़ेगा। चतुर दावेदारों ने 'प्लान-बी' पर काम करना शुरू कर दिया है। कई नेता अपने मूल वार्ड के साथ-साथ पास के एक अन्य सुरक्षित वार्ड में भी सक्रियता बढ़ा रहे हैं। इस स्थिति में, दावेदारों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वे अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए वैकल्पिक वार्डों पर ध्यान दें। जयपुर नगर निगम का आरक्षण का संभावित खाका अब सामने आ रहा है। सूत्रों के अनुसार, नए परिसीमन के तहत आरक्षण की प्रक्रिया में बदलाव हो सकता है। इस नए ढाँचे के तहत अनारक्षित वार्डों की संख्या 150, ओबीसी के लिए 94, एससी के लिए 31 और एसटी के लिए 20 वार्ड प्रस्तावित हैं। इस बार जयपुर नगर निगम बोर्ड में कम से कम 6 सीटों पर 'दर्जन' दावेदारों की उम्मीद लगाई जा रही है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल अपने उम्मीदवारों की सूची तैयार कर रहे हैं। स्थिति यह है कि कई प्रमुख वार्डों में एक-एक पार्टी से 6 से अधिक दावेदार हैं। हालांकि, भाजपा और कांग्रेस अभी अपने पत्ते नहीं खोल रहे हैं। संगठन के वरिष्ठ नेता चुपचाप दावेदारों की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। वे जनता के बीच दावेदारों की पैठ और प्रभाव का आकलन कर रहे हैं। जैसे ही आरक्षण की लॉटरी निकाली जाएगी, मौजूदा मजबूत दावेदार दौड़ से बाहर होंगे। इस स्थिति में नए और युवा चेहरों के लिए टिकट की रेस पूरी तरह खुल जाएगी। राजनीतिक गलियारों में बेचैनी का माहौल है। दावेदारों के लिए यह समय अपने-अपने वार्डों में भारी बजट खर्च करने का था, लेकिन अब आरक्षण की अनिश्चितता ने उनकी नींद उड़ा दी है। सूत्रों के मुताबिक, स्वायत्त शासन विभाग द्वारा यह लॉटरी निकाली जा सकती है, जिसके तुरंत बाद राज्य में निकाय चुनावों का औपचारिक बिगुल बजने की पूरी उम्मीद है। दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ-साथ निर्दलीय दावेदार भी इस लॉटरी के परिणाम का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बार चुनावी मैदान में उतरे दावेदारों की संख्या में इजाफा होने की संभावना है। जयपुर नगर निगम चुनावों में भाग लेने वाले दावेदारों को अपनी रणनीतियों को और अधिक प्रभावी बनाना होगा। राजनीति के इस खेल में अब सभी की नजरें आरक्षण लॉटरी पर टिकी हुई हैं। शहर की स्थानीय राजनीति फिलहाल एक ऐसी 'पर्ची' के इंतजार में है, जो सैकड़ों संभावित दावेदारों का महीनों से बना-बनाया गणित एक झटके में बदल सकती है। इस बार के चुनावों में वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया में बदलाव से राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह से बदल सकता है। दावेदारों को अब अपने-अपने वार्डों में नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जयपुर नगर निगम चुनावों में सभी प्रमुख दलों की निगाहें अब आरक्षण की लॉटरी पर हैं। यह लॉटरी केवल दावेदारों के लिए ही नहीं, बल्कि समग्र राजनीतिक परिदृश्य के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

उजड़ती सांसें, बहते आंसू और बेघर हुई मातृभूमि: 14 अगस्त का वह कभी न भरने वाला जख्म

सिंधी समाज की मेहनत ने उन्हें समृद्धि दिलाई

पंकज राय चंदानी 14 अगस्त 1947 की वह काली रात सिर्फ इतिहास का एक पन्ना नहीं थी, बल्कि करोड़ों रूहों को उनकी अपनी ही मिट्टी से हमेशा-हमेशा के लिए नोच लेने का एक खौफनाक मंजर थी। सिंध की पावन और हरी-भरी धरती पर सदियों से लहलहाते सिंधी परिवारों के लिए आजादी का सूरज एक कभी न खत्म होने वाला अंधेरा लेकर आया। पंजाब या बंगाल की तरह सिंध का कोई टुकड़ा नहीं किया गया; पूरा का पूरा सिंध रातों-रात बेगाना हो गया। अपनी ही जन्मभूमि में पलक झपकाते ही बेगाने हो जाने का यह दर्द इतना क्रूर था कि लोगों को अपनी सदियों पुरानी हवेलियों, आंगन में गूंजती किलकारियों, पुश्तैनी व्यापार और पूर्वजों की समाधियों को आखिरी बार छूकर रोने तक की मोहलत नहीं मिली। सिंधु नदी के पावन घाटों को चूमकर अपनी ही मिट्टी से बेदखल होते हुए बुजुर्गों की वह खामोश सिसकियां आज भी हवाओं में तैरती महसूस होती हैं।

अपनों को खोने का मातम और अंजान रास्तों पर सिर छिपाने का खौफ लेकर जब वे भारत की धरती पर पहुंचे, तो उनके पास केवल दो जोड़ी कपड़े और सीने में धधकता हुआ दर्द था। तंबुओं और टिन की शेडों के नीचे रातें गुजारते हुए, उस असीम गरीबी और कटीले तारों के बीच अपनी भाषा और संस्कृति के धुंधले पड़ जाने का डर किसी भी शारीरिक घाव से कहीं ज्यादा गहरा था। लेकिन इस बेहिसाब त्रासदी और टूटती सांसों के बीच भी सिंधी समाज ने कभी स्वाभिमान की लौ को बुझने नहीं दिया। आंसुओं के समंदर को पीकर, अपनी लाचारी का ढोल पीटने के बजाय, उन्होंने अपनी अटूट निष्ठा और अनथक परिश्रम को ही अपना इकलौता सहारा बनाया। उन्होंने सड़कों पर नंगे पैर घूमकर छोटे-मोटे काम किए, हर विषम परिस्थिति से सीना तानकर लड़े और अपनी व्यापारिक सूझबूझ के बल पर शून्य से एक नया संसार रच दिया।

आज दशकों बाद, सिंधी समाज ने अपनी मेहनत से सफलता, समृद्धि और उद्योग के गगनचुंबी शिखर को छू लिया है, लेकिन उस चमक के पीछे एक गहरा

सन्नाटा आज भी छुपा है। आज भी जब परिवार के बुजुर्ग सिंध की उस माटी, अपने छूटे हुए आंगनों और सिंधु नदी के पानी की खुशबू को याद करते हैं, तो उनकी पथराई आंखों के कोरों से आंसुओं की एक बूंद चुपचाप छलक पड़ती है। दुनिया ने उनकी जगमगाती सफलता और आर्थिक साम्राज्य तो देखा, लेकिन उस बुलंद इमारत की बुनियाद में मातृभूमि से हमेशा के लिए बिछड़ जाने का जो तड़पता हुआ दर्द दबा है, वह आज भी सिंधी समाज की आत्मा में एक खामोश टीस बनकर सुलगता रहता है।

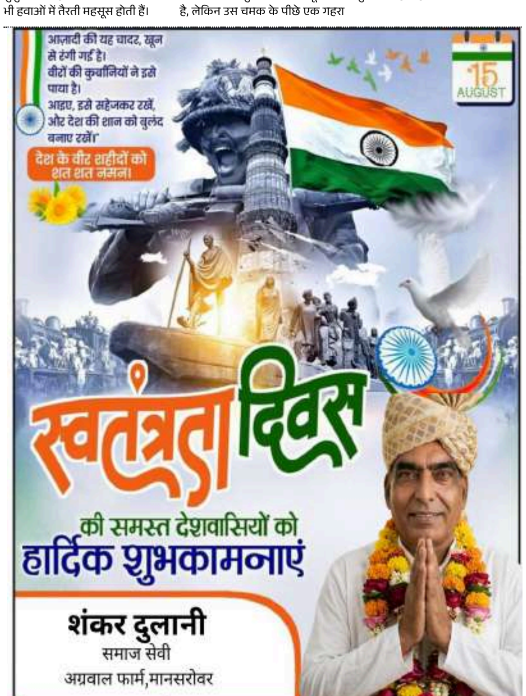

भ्रष्टाचार के खिलाफ जन जागरूकता

जनता के हक़ के लिए उठेगा 'सिंधु चौपाल'

विकास पांडेय , साहस और क्रांति का शंखनाद! यह एक ऐसा समय है जब समाज में हर व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। जयपुर के सांगानेर और मानसरोवर जैसे इलाकों से लेकर शहर के हर कोने में, जहां भी जनता के हक़ पर डाका डाला जाएगा, वहां हमारी कलम तलवार बनकर चलेगी। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक नाकामी से आम इंसान को पिसते हुए नहीं देखा जाएगा। जनहित के मामलों में ढिलाई और लापरवाही अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। 'सिंधु चौपाल' ऐसे मुद्दों पर सवाल उठाएगा और जवाब खींचकर लाएगा। यह केवल एक समाचार पत्र नहीं, बल्कि आपकी अपनी क्रांति है। यदि किसी व्यापारी या आम नागरिक के साथ अन्याय हुआ है, तो 'सिंधु चौपाल' आपकी आवाज़ बनेगा। सच बोलना अगर बगावत है, तो हम बागी हैं। 'सिंधु चौपाल' बेखौफ होकर और पूरी ताकत से सच लिखेगा।

आज जब चारों ओर सच को दबाने का दौर चल रहा है, तब यह एक ढाल नहीं, बल्कि एक धाकड़ और बेबाक हथियार बनकर मैदान में उतरा है।

हम यहाँ किसी की जी-हुज़ूरी करने नहीं आए हैं।

हमारा उद्देश्य समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना है। यदि आपके पास किसी भ्रष्टाचार का साक्ष्य है या किसी दबी हुई समस्या की आवाज़ है, तो आइए हमारे साथ जुड़िए और अपनी आवाज़ को एक आंधी बनाइए। बागी कलम, बेखौफ सच: पत्रकारिता केवल चाटुकारिता या बेजान ख़बरों का पुलिंदा नहीं है। यह एक तीखा प्रहार है जो सत्ता के गलियारों में बैठे भ्रष्टाचारियों की नींद उड़ा देगा।

हमें अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपने समाज को जागरूक करना है। जैसा कि आप सभी भली-भांति जानते हैं, मेरा इतिहास गवाह है कि मैंने कभी समझौते की राजनीति नहीं की। बेखौफ होकर और निडरता से सच को सामने लाना ही मेरा धर्म है। अगर इसके परिणाम स्वरूप मुझे किसी भी ताकत से टकराना पड़ा, तो भी मैं पीछे नहीं हटूंगा। इस जुनून, तेवर और ज़िद का नाम 'सिंधु चौपाल' है। यह एक ऐसा मंच है जो नागरिकों को अपने हक़ के लिए लड़ने की प्रेरणा देगा। हम सभी को एकजुट होकर भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़ा होना होगा और अपने अधिकारों की रक्षा करनी होगी।

दादा सुन्दर ठाकुर जी का जीवन प्रेरणा का स्रोत

दादा सुन्दर ठाकुर जी के संरक्षण में सामूहिक विवाह का आयोजन लगातार जारी है

जयप्रकाश बूलचंदानी दादा सुन्दर ठाकुर जी ने समाज सेवा में अपनी सक्रियता से सभी को प्रेरित किया है। 91 की उम्र में भी उनकी ऊर्जा और ज़िंदादिली हर सेवाकार्य में आगे रहने की प्रेरणा देती है। दादा सुन्दर ठाकुर जी का जीवन मानवता की सेवा का एक अनुपम उदाहरण है, जिसने उन्हें समाज में एक विशेष स्थान दिलाया है। 1960 से दादा सुन्दर ठाकुर जी ने सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में पूर्ण समर्पण से काम किया है। इस दौरान उन्होंने कई संस्थाओं की स्थापना और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दादा सुन्दर ठाकुर जी सिंधु वेलफेयर सोसाइटी, पूज्य सिंधी पंचायत जवाहर नगर, और भगवान झूलेलाल सेवा समिति जैसे संगठनों के संरक्षक और मार्गदर्शक रहे हैं। उनकी मार्गदर्शक भूमिका ने इन संस्थाओं को एक नई दिशा दी है। 'श्री झूलेलाल सेवा समिति' उनके कुशल संरक्षण में पिछले 12 वर्षों से लगातार निर्धन परिवारों की कन्याओं के सामूहिक विवाह का आयोजन कर रही है। इस आयोजन ने सैकड़ों परिवारों को सामाजिक और आर्थिक संबल प्रदान किया है। दादा सुन्दर ठाकुर जी की सेवाएं हमेशा लोगों के दिलों में बसी रहेंगी। उनके कार्यों ने नई पीढ़ी को प्रेरित किया है और कई युवा उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। दादा सुन्दर ठाकुर जी की विनम्रता और सदाचारी व्यक्तित्व ने उन्हें समाज में एक विशेष पहचान दिलाई है। उनकी समाज सेवा का प्रभाव इतना गहरा है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी भी जब उनसे मिलते हैं, तो उन्हें प्रेम और सम्मान के साथ 'दादा' कहकर संबोधित करते हैं। लगभग तीन दशकों तक प्रतिष्ठित एजी ऑफिस में निष्ठावान सेवाएं देने के बाद दादा सुन्दर ठाकुर जी सेवानिवृत्त हुए हैं। उनकी सेवाओं ने उन्हें राष्ट्रभक्त और सेवादारी महानुभाव के रूप में पहचान दिलाई है। वे आज भी अपने परिवार के साथ इलेक्ट्रॉनिक व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। दादा सुन्दर ठाकुर जी की सेवा भावना प्रमुखता से देखने को मिलती है। उनके द्वारा किए गए कार्यों ने समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। उनके प्रयासों से कई लोग समर्पित भाव से समाज सेवा में जुटे हुए हैं। उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जाएगा। दादा सुन्दर ठाकुर जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि सेवा का मार्ग हमेशा खुला रहता है, चाहे उम्र कितनी भी हो। भविष्य में भी दादा सुन्दर ठाकुर जी के मार्गदर्शन में समाज सेवा के कार्य जारी रहेंगे। उनके द्वारा स्थापित संस्थाएं और कार्यक्रम आगे भी जरूरतमंदों की सहायता करते रहेंगे। दादा सुन्दर ठाकुर जी की सक्रियता ने समाज में एक नई चेतना का संचार किया है। उनकी योजनाओं और कार्यक्रमों ने समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। समाज में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें कई पुरस्कारों और सम्मान से भी नवाजा गया है। दादा सुन्दर ठाकुर जी के कार्यों का प्रभाव समाज में हमेशा महसूस किया जाएगा। उनकी सेवाएं हमेशा लोगों के दिलों में बसी रहेंगी। दादा सुन्दर ठाकुर जी का जीवन हमें यह भी बताता है कि सेवा का कोई अंत नहीं होता। उनके प्रयासों से समाज में एकता और समर्पण की भावना को बढ़ावा मिला है। दादा सुन्दर ठाकुर जी की सेवाएं और उनके द्वारा स्थापित संस्थाएं हमेशा समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत रहेंगी।

दादा सुन्दर ठाकुर जी की प्रेरणा से कई लोग समाज सेवा के कार्यों में शामिल हुए हैं।

दादरा एवं नगर हवेली का भारत में विलय करने वाले के. जी. बदलानी

दादरा एवं नगर हवेली का भारत में विलय 11 अगस्त 1961 को हुआ

सिंधी गौरव – के. जी. बदलानी: वह एक-दिवसीय प्रधानमंत्री जिन्होंने दादरा एवं नगर हवेली का भारत में विलय कराया बदलानी ने दादरा एवं नगर हवेली का भारत में विलय कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने एक-दिवसीय प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते हुए इस क्षेत्र का भारत गणराज्य में शांतिपूर्ण विलय सुनिश्चित किया। बदलानी का यह योगदान भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज है। सिंधी समाज ने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। के. जी. बदलानी की ईमानदारी, प्रशासनिक दक्षता और जनसेवा के लिए उन्हें पहचाना जाता है। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सिंधी समाज ने व्यापार और परोपकार के अलावा भारत के सुशासन और राष्ट्रीय एकीकरण में भी योगदान दिया है। बदलानी को 1954 में पुर्तगाली शासन से मुक्ति के बाद दादरा एवं नगर हवेली का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति एक संवैधानिक व्यवस्था के तहत की गई थी, ताकि इस क्षेत्र का भारत में विलय अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार हो सके। वरिष्ठ पंचायत ने सर्वसम्मति से के. जी. बदलानी को स्वतंत्र दादरा एवं नगर हवेली का प्रधानमंत्री नियुक्त किया। इस निर्णय ने क्षेत्र के लोगों में एक नई आशा जगाई और उन्होंने बदलानी के नेतृत्व में एक नई दिशा की ओर बढ़ने का संकल्प लिया। बदलानी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के साथ ऐतिहासिक विलय-पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस हस्ताक्षर के साथ ही दादरा एवं नगर हवेली आधिकारिक रूप से भारतीय संघ का अभिन्न अंग बन गया। यह कदम क्षेत्र के विकास और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण था। बदलानी का योगदान इतिहास के पन्नों में कम चर्चित रहा है। उनके कार्यों को पहचानने की आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ उनके योगदान को जान सकें। उन्होंने एक ऐसे समय में नेतृत्व किया जब देश को एकजुट करने की आवश्यकता थी। दादरा एवं नगर हवेली लगभग सात वर्षों तक एक स्वशासित क्षेत्र के रूप में संचालित हो रहा था। बदलानी के नेतृत्व में इस क्षेत्र को भारत में विलय करने का निर्णय लिया गया, जो कि एक ऐतिहासिक कदम था। बदलानी ने अपने कार्यकाल के दौरान कई विकासात्मक योजनाएँ लागू कीं। उनके प्रयासों से क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ। उन्होंने लोगों की भलाई के लिए कई योजनाएँ बनाईं। बदलानी की प्रशासनिक दक्षता ने उन्हें एक सफल नेता बनाया। उन्होंने अपने कार्यकाल में जनता की समस्याओं को समझा और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाए। उनके कार्यों ने क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। बदलानी का नाम भारतीय संवैधानिक इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है।

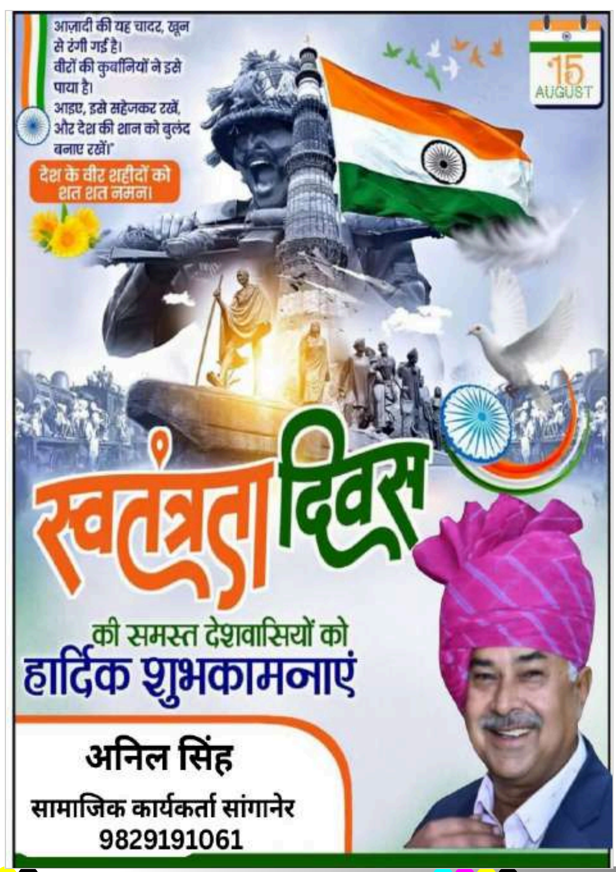

जेल से बाहर आने के लिए फर्जी दस्तावेज का सहारा

वरिष्ठ रिपोर्टर बीकानेर में एक आरोपी ने जेल से बाहर आने के लिए राजस्थान पुलिस उप निरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा का फर्जी प्रवेश-पत्र तैयार किया। आरोपी ने अदालत से परीक्षा में शामिल होने की अनुमति मांगी, लेकिन यह प्रयास असफल रहा। अदालत ने आरोपी को नियमित जमानत देने से इनकार कर दिया। पुलिस को निर्देश दिया गया कि आरोपी को 6 अगस्त को पुलिस अभिरक्षा में श्रीगंगानगर स्थित पुलिस मोटर ड्राइविंग स्कूल के पीटी परेड ग्राउंड ले जाया जाए। परीक्षा के बाद आरोपी को वापस जेल भेजने का आदेश दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने वास्तविक अभ्यर्थी के नाम और विवरण का इस्तेमाल करके फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे। पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि इस मामले में एक असली अभ्यर्थी 'संदेश' नाम से शामिल है। आरोपी ने उसी अभ्यर्थी की जानकारी का उपयोग किया। जांच में सामने आया कि जिस प्रवेश-पत्र के आधार पर आरोपी परीक्षा देने पहुंचा था, वह पूरी तरह फर्जी था। परीक्षा केंद्र पर दस्तावेजों की जांच के दौरान यह मामला उजागर हुआ। पुलिस ने बताया कि फर्जी दस्तावेजों के मामले में आरोपी के खिलाफ अलग से मुकदमा दर्ज किया गया है। इस खुलासे के बाद पुलिस मास्टरमाइंड की तलाश में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि जांच एजेंसियां यह पता लगाने में लगी हैं कि फर्जी प्रवेश-पत्र किसने तैयार किया और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका रही। इस मामले में पुलिस की गहन जांच जारी है और फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले सभी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आरोपी ने पहले जेल प्रशासन के समक्ष एसआई भर्ती परीक्षा का कथित प्रवेश-पत्र पेश किया था। लेकिन अदालत के आदेश पर परीक्षा केंद्र पर पहुंचने पर पूरा मामला सामने आया। बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश ने कहा कि आरोपी मादक पदार्थ तस्करी के मामले में केंद्रीय कारागृह में बंद है। जेल से बाहर निकलने के लिए आरोपी ने इस परीक्षा का सहारा लिया, लेकिन उसकी चाल ज्यादा देर तक नहीं चल सकी।

गिरफ्तारी के समय आरोपी कालू सैनी ने मोहनलाल मेघवाल की जेब से 200 रुपए और मोबाइल फोन निकाल लिया था

बूँदी में डबल मर्डर केस में आरोपी गिरफ्तार

स्थानीय संवाददाता बूँदी जिले में नमाना पुलिस ने गरड़दा डैम पर चौकीदार सहित एक अन्य की हत्या के आरोपी को सौ घंटे में गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला तब सामने आया जब दो अगस्त को मोहनलाल भील एवं मोहनलाल मेघवाल ने शराब पार्टी के दौरान विवाद कर लिया। रात करीब 7 से 8 बजे खाना बनाने और शराब पीने के दौरान मोहनलाल भील और कालू सैनी के बीच बहस हो गई। इस दौरान आक्रोशित होकर कालू सैनी ने लकड़ी के डंडे से मोहनलाल भील के सिर पर वार किया, जिससे वह मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ा। कुछ दूरी पर बैठकर शराब पी रहा

मोहनलाल मेघवाल इस झगड़े को देखकर चिंतित था। उसने अपने मोबाइल फोन से घटना की सूचना देने के लिए फोन करने का प्रयास किया, लेकिन तभी कालू सैनी ने उसकी ओर ध्यान दिया। कालू सैनी ने मोहनलाल मेघवाल पर भी गंभीर प्रहार किया, जिससे वह भी अचेत होकर गिर गया। दोनों व्यक्तियों को लहूलुहान अवस्था में देखकर कालू सैनी ने मौके से फरार होने का निर्णय लिया।

फरार होते समय कालू सैनी ने मृतक मोहनलाल मेघवाल की जेब से करीब 200 रुपए निकाल लिए और उसका कीपैड मोबाइल फोन भी अपने पास रख लिया।

इस दौरान ठेकेदार की मोटरसाइकिल लेकर वह रात 10 बजे मौके से रवाना हो गया।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और संदिग्ध आरोपी को लाखेरी रोड पर देखा गया।

वह ट्रक में बैठकर भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने उसे पहचान लिया और डिटेन कर लिया।

पुलिस टीम ने आरोपी कालू सैनी को उसके लगातार स्थान बदलने के बावजूद लाखेरी से पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उसने अपराध स्वीकार किया। प्रकरण में विस्तृत पूछताछ एवं अनुसंधान की कार्रवाई जारी है। वहीं, घटना के दिन मोहनलाल भील की कोटा में उपचार के दौरान मौत हो गई। एसपी अवनीश शर्मा ने बताया कि बीरमदेव पुत्र मोहनलाल मेघवाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मोहनलाल करीब दो महीने से गरड़दा डैम पर मछली ठेकेदार के पास चौकीदारी का काम कर रहा था। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि मोहनलाल मेघवाल उर्फ काका को मौके पर मृत अवस्था में पाया गया, जबकि मोहनलाल भील घायल अवस्था में था। संभवतः शराब पार्टी के दौरान हुई इस घटना ने इलाके में भय का माहौल बना दिया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की बात कही है। यह घटना समुदाय में सुरक्षा को लेकर सवाल उठाती है, क्योंकि ऐसे अपराधों से स्थानीय लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

गहलोत ने अस्पताल जाकर छात्र नेता शुभम रेवाड़ का हालचाल लिया

विशेष संवाददाता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्र नेता शुभम रेवाड़ के अनशन की गंभीरता को समझते हुए अस्पताल जाकर उनकी सेहत का हालचाल लिया। शुभम रेवाड़, जो पिछले 23 जुलाई से छात्रसंघ चुनाव बहाली और राजस्थानी विभाग की स्थापना की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठे थे, अब गंभीर स्थिति में हैं। गहलोत ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भजनलाल शर्मा सरकार की हठधर्मिता पर सवाल उठाते हुए लिखा कि छात्र नेता का अनशन जारी है और उन्होंने पानी पीना भी छोड़ दिया है। गहलोत ने कहा कि यह स्थिति चिंताजनक है और सरकार को तुरंत इस पर संज्ञान लेना चाहिए। भाजपा सरकार ने न तो अनशन समाप्त करवाने की कोशिश की और न ही उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया। गहलोत ने यह भी पूछा कि आखिर भाजपा को किस बात का डर है। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत छात्रसंघ चुनाव की मांग कर रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार बिना किसी ठोस वजह के हठधर्मिता पर अड़ी हुई है। गहलोत ने पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां हाई कोर्ट के आदेश के बाद सभी विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव आयोजित करने की तैयारी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मध्य प्रदेश में चुनाव कराए जा रहे हैं, तो राजस्थान सरकार वहां से क्यों नहीं सीखती? राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से शुरू हुआ यह आंदोलन अब राजधानी जयपुर का सबसे संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। छात्र नेता शुभम रेवाड़ ने 5 अगस्त को जल त्याग का कठोर निर्णय लिया था, जिसके बाद उनकी स्थिति गंभीर हो गई। गहलोत ने अस्पताल के आईसीयू में जाकर शुभम रेवाड़ का हाल-चाल लिया और उनकी सेहत पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने डॉक्टरों से शुभम के वाइटल्स और हेल्थ पैरामीटर्स की जानकारी ली। जब शुभम की स्थिति नाजुक बनी हुई थी, तब गहलोत और विधायक रफीक खान अस्पताल पहुंचे। गहलोत ने शुभम को समझाते हुए कहा कि मांगें अपनी जगह हैं, लेकिन छात्रशक्ति का जीवन सबसे ज्यादा कीमती है। गहलोत के समझाने के बाद शुभम ने जल त्याग का निर्णय वापस लिया और गहलोत ने खुद अपने हाथों से उन्हें पानी पिलाया। हालांकि, शुभम का अन्न त्याग और मांगों को लेकर सत्याग्रह अभी भी जारी है। राज्य सरकार की उदासीनता पर सवाल उठ रहे हैं, और छात्र समुदाय में भारी रोष है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि युवाओं की जायज मांगों पर शीघ्र फैसला नहीं लिया गया और छात्र नेता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हुआ, तो पूरे प्रदेश के कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज में उग्र आंदोलन खड़ा किया जाएगा। गहलोत ने कहा कि सरकार को तुरंत छात्रसंघ चुनाव कराने की आधिकारिक घोषणा करनी चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी नगर निगम और पंचायती राज चुनावों से ठीक पहले छात्र राजनीति का यह मुद्दा सत्तारूढ़ भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। गहलोत ने यह भी कहा कि जब पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव कराने का रास्ता साफ हो चुका है, तो राजस्थान सरकार को भी इस दिशा में कदम उठाने चाहिए। शुभम रेवाड़ का अनशन अब प्रशासन और सरकार के लिए गले की फांस बनता जा रहा है। सरकार की तरफ से किसी प्रतिनिधि का न आना छात्र समुदाय में आक्रोश पैदा कर रहा है। गहलोत ने शुभम के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए कहा कि यह जरूरी है कि सरकार छात्र नेताओं की मांगों को गंभीरता से ले। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने जल्द कोई कदम नहीं उठाया, तो छात्र समुदाय में और भी उग्र प्रतिक्रिया हो सकती है। राजस्थान के लाखों छात्रों की आवाज को अनसुना करना सरकार के लिए मुश्किल साबित हो सकता है। गहलोत ने कहा कि यह समय है कि सरकार अपने रवैये में बदलाव लाए। गहलोत ने शुभम के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा कि उनकी मांगें पूरी होनी चाहिए और सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने और राजस्थानी विभाग की स्थापना की मांग को लेकर यह आंदोलन अब राजधानी जयपुर का सबसे संवेदनशील मुद्दा बन चुका है। शुभम रेवाड़ का अनशन और उनकी स्वास्थ्य स्थिति ने सरकार के लिए एक चुनौती पेश की है। यदि सरकार ने इस पर

ध्यान नहीं दिया, तो इससे राजनीतिक परिणाम भी हो सकते हैं।

कांग्रेस ने मानगढ़ धाम को चुनावी हथियार बनाया

कांग्रेस ने मानगढ़ के मुद्दे को चुनावी अभियान का हिस्सा बनाया

न्यूज संवाददाता कांग्रेस ने वागड़ क्षेत्र में पंचायत चुनाव से पहले बीएपी के बढ़ते प्रभाव को चुनौती देने के लिए मानगढ़ धाम को सियासी हथियार बनाने की योजना बनाई है। पार्टी अब आदिवासी अस्मिता और क्षेत्रीय भावनाओं को एकजुट करने के प्रयासों में जुट गई है। कांग्रेस की रणनीति है कि मानगढ़ के मुद्दे को चुनावी अभियान में प्राथमिकता दी जाए ताकि परंपरागत आदिवासी वोट बैंक को मजबूत किया जा सके। कांग्रेस ने पंचायत-निकाय चुनावों के लिए तैयारी शुरू कर दी है। इस दौरान पार्टी ने क्षेत्रवार दौरे, सभाओं और स्थानीय मुद्दों को अपने चुनावी अभियान से जोड़ने की रणनीति तय की है। पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय के नेतृत्व में बाँसवाड़ा के बीएपी कार्यकर्ताओं के कांग्रेस में शामिल होने के अवसर पर पार्टी नेताओं ने बीएपी से जुड़े लोगों से कांग्रेस में लौटने की अपील की। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आदिवासी बहुल जिलों के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए हैं कि वे मानगढ़ के मुद्दे को प्रमुखता से उठाएं। आगामी पंचायत-निकाय चुनावों को देखते हुए पार्टी ने जिला और विधानसभा स्तर के प्रभारियों से प्रमुख स्थानीय मुद्दों की जानकारी जुटाई है। कांग्रेस का उद्देश्य है कि मानगढ़ के साथ-साथ स्थानीय समस्याओं को भी अपने चुनावी अभियान का हिस्सा बनाया जाए। पार्टी अब इन्हीं मुद्दों के आधार पर चुनावी सभाओं और क्षेत्रीय दौरों का खाका तैयार कर रही है। इस रणनीति के माध्यम से कांग्रेस बीएपी के प्रभाव को चुनौती देने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस ने यह भी तय किया है कि चुनाव में क्षेत्र की जनता को बताया जाएगा कि भाजपा ने मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा देने से इनकार कर वादाखिलाफी की है। जहां 1900 आदिवासियों ने शहादत दी गई थी, उस मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का द र्जा देने से केंद्र सरकार ने इनकार कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मानगढ़ दौरे के दौरान चारों राज्यों से बात कर इसे वैश्विक मानचित्र पर विकसित करने की बात कही थी। बीएपी के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस ने आदिवासी क्षेत्र में इस मुद्दे को बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की योजना बनाई है।

राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र चारों राज्यों में भाजपा की सरकार है। कांग्रेस की कोशिश है कि पंचायत-निकाय चुनाव से लेकर आगामी विधानसभा चुनाव तक इस मुद्दे को लगातार गरम रखा जाए। पार्टी की प्रदेश स्तरीय बैठक अगले दो-तीन दिन में प्रस्तावित है। कांग्रेस अब आदिवासी बहुल इलाकों में विरोध-प्रदर्शन शुरू कर रही है। बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, उदयपुर, सलूंबर जैसे क्षेत्रों में पार्टी ने विरोध प्रदर्शन की तैयारी की है। इसके साथ ही, पार्टी नेताओं ने स्थानीय मुद्दों को पहचानने के लिए भी प्रयास तेज कर दिए हैं। कांग्रेस के इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य है कि बीएपी के प्रभाव को कम किया जा सके और आदिवासी समुदाय के बीच अपनी स्थिति को मजबूत किया जा सके। पिछले दिनों, पार्टी ने बीएपी कार्यकर्ताओं को अपने पक्ष में लाने के लिए एक मजबूत अभियान चलाया था। कांग्रेस का मानगढ़ धाम को सियासी हथियार बनाना खासकर आदिवासी वोटरों को आकर्षित करने के लिए है। इस मुद्दे के जरिए पार्टी ने आदिवासी अस्मिता को भी एक नई पहचान देने का प्रयास किया है।

दिवम सारस्वत ने पेश की अनोखी विज्ञान-कथा

ब्यूरो डेस्क दिवम सारस्वत ने अपनी पहली पुस्तक 'स्ट्रेंजर फ्रॉम द स्टार्स' के माध्यम से एक अनूठी विज्ञान- कथा प्रस्तुत की है। यह कहानी पृथ्वी को एक एलियन की नजर से देखने का एक हास्यपूर्ण और विचारोत्तेजक दृष्टिकोण प्रदान करती है। लेखक ने इतनी कम उम्र में 311 पृष्ठों की पुस्तक लिखना एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी है। इस पुस्तक की विशेषता केवल इसका विज्ञान- कथा का कथानक नहीं है, बल्कि यह मानव व्यवहार को एक बाहरी दृष्टि से देखने की क्षमता भी प्रदान करती है। दिवम की कल्पनाशक्ति और कहानी कहने की स्वाभाविक क्षमता इस कृति में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कहानी का केंद्र "ज़िमुकरी" ग्रह के एलियन

"ज़ॉक्सज़ॉक्स" के इर्द-गिर्द घूमता है। यह एलियन एक 'क्रेटर इंस्पेक्टर' है, जो पृथ्वी से आए एक रहस्यमय प्रक्षेप्य के गिरने के बाद संभावित खतरे की आशंका में पृथ्वी पर गुप्त मिशन पर आता है। ज़ॉक्सज़ॉक्स का उद्देश्य मानव सभ्यता, उसके व्यवहार, भावनाओं और विचित्र परंपराओं को समझना है। इस प्रक्रिया में वह संवाद, गलतफहमियाँ, मित्रता और अलग- अलग संस्कृतियों को समझने की कोशिश करता है। इस प्रकार, कहानी में हास्य और संवेदना दोनों का समावेश होता है। 'स्ट्रेंजर फ्रॉम द स्टार्स' युवा पाठकों के लिए मनोरंजक होने के साथ-साथ उन्हें पढ़ने, कल्पना करने और लिखने के लिए प्रेरित करती है। यह कृति लेखक की कल्पनाशक्ति और रचनात्मक साहस को सामने लाती है, जिसने छोटी उम्र में ही एक रोचक और मौलिक विज्ञान- कथा की दुनिया रच दी है। कहानी वास्तव में सितारों से आए एक अजनबी की कहानी भर नहीं है, बल्कि यह एक युवा मन की कल्पना की उड़ान है।

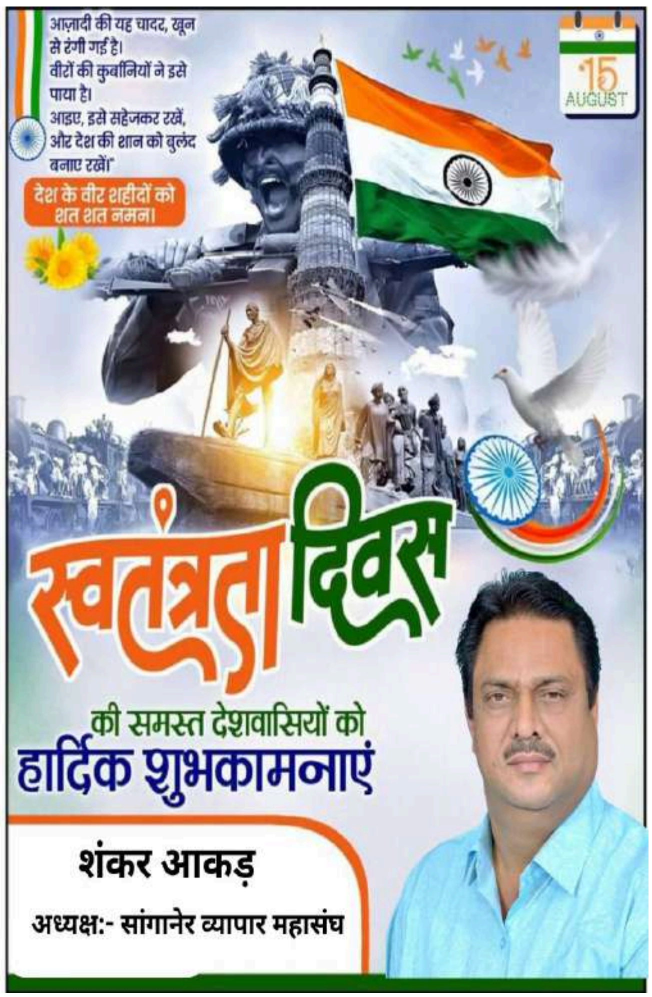

जेलर सद्दाम ने नफीस चिश्ती से कैदियों की वीडियो कॉल करवाई

न्यूज रिपोर्टर जेलर सद्दाम हुसैन ने अजमेर सेंट्रल जेल में वीडियो कॉल के माध्यम से 100 रेप के मास्टरमाइंड नफीस चिश्ती से तीन सजायाफ्ता कैदियों की बात करवाई। वीडियो कॉल के दौरान नफीस ने कैदियों से हालचाल पूछे और एक दूसरे से बातचीत करके हंसते हुए दुआ-सलाम किया। नफीस ने जेल में बंद तारिक चिश्ती से पूछा, 'कहां हैं हमारे तारिक भाई? ' इस पर जेलर ने बगल की कुर्सी पर बैठे तारिक की ओर फोन घुमाकर बात करवाई। तारिक ने नफीस से कहा कि वह टेंशन की कोई बात नहीं है और सब कुछ ठीक है। नफीस ने कहा, 'बाकी सब करा देंगे बेफिक्र रहो, इंशाअल्लाह।

बस पलटने से बचा बड़ा हादसा, जानवर को बचाने की कोशिश

डेस्क रिपोर्ट धमोत्तर थानाधिकारी घीसुलाल के अनुसार, चित्तौड़गढ़ डिपो की रोडवेज बस सोमवार सुबह 5:30 बजे प्रतापगढ़ से सूरत जाने के लिए रवाना हुई थी। बस अभी भूतियावर घाटे के पास पहुंची थी कि अचानक सड़क पर एक जानवर सामने आ गया। चालक ने जानवर को बचाने के लिए बस को सड़क के किनारे मोड़ने का प्रयास किया, लेकिन उस समय क्षेत्र में बारिश हो रही थी। गीली मिट्टी में बस का पहिया स्लिप हो गया और चालक नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद बस खाई में उतरकर पलट गई। हादसे में घायल यात्रियों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। घायलों में सुरेश मीणा, रेखा निनामा, अर्जुन आंजना, मोहित जैन, अनिल टेलर, पवन मेघवाल, संजू मीणा, रूपलाल, प्यार सिंह और प्रिया कुंवर शामिल हैं।

सांड के हमले से युवक को चोटें

डेस्क रिपोर्टर सीकर के रामलाल मैदान क्षेत्र के निवासी सुनील सोनी सोमवार शाम रानोली में एक सांड के हमले में घायल हो गए। घायलों को गले, नाक और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। सुनील अपनी पत्नी के साथ ससुराल आए थे।

बिजली गिरने से युवक की हुई मौत

जिला प्रतिनिधि डीडवाना-कुचामन के नावां में तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से बाइक सवार युवक विक्की की मौत हो गई। विक्की दायमा पुत्र श्योजीराम (25) नमक फैक्ट्री में काम करता था। वह अपने साथी जितेंद्र नरानिया के साथ बाइक पर घर लौट रहा था। दोनों ने काम खत्म करने के बाद शाम करीब 7 बजे इस रास्ते पर यात्रा शुरू की थी। घटना के समय अचानक तेज बारिश शुरू हुई और इसी दौरान विक्की और जितेंद्र पर आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली गिरने से विक्की गंभीर रूप से झुलस गया और उसकी मौत हो गई, जबकि जितेंद्र घायल हो गया। घायल का प्राथमिक उपचार अस्पताल में कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी जुटाई। पुलिस ने बताया कि विक्की के परिवार में मातम छा गया है। परिजनों के अनुसार, विक्की शादीशुदा था और उसके दो बच्चे हैं। उसके पिता की पहले ही मौत हो चुकी है, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मंत्री विजय सिंह चौधरी और उपखंड अधिकारी हुक्मीचंद रुलानिया ने घटना की जानकारी मिलने के बाद राजकीय उपजिला चिकित्सालय जाकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने घटना के बाद की स्थिति का जायजा लिया और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। मंत्री विजय सिंह चौधरी ने आपदा राहत प्रावधानों के तहत नियमानुसार आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। एसडीएम हुक्मीचंद रुलानिया ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

कुचेरा में कार और स्कूटी की भिड़ंत

ब्यूरो रिपोर्ट कुचेरा टोल प्लाजा के पास कार और स्कूटी की भिड़ंत हुई। यह घटना सड़क पार करते समय हुई, जिससे दोनों वाहनों में सवार लोग घायल हो गए। हादसे के कारण पांच लोगों की हालत गंभीर हो गई है। प्राथमिक उपचार के बाद इन घायलों को नागौर जिला अस्पताल रेफर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टोल प्लाजा के पास तेज गति से आ रही कार ने स्कूटी को टक्कर मारी।

दोनों मौतों की जांच के लिए समितियां बनाई गई हैं
झालावाड़ में दो प्रसूताओं की मौत

ब्यूरो रिपोर्टर रूबीना और गंगोत्री की मौत ने चिकित्सा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कोटा मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में रविवार देर रात दो बजे से सोमवार को 12 बजे तक दो प्रसूताओं की मौत हुई। पहली प्रसूता रूबीना (27) की मौत न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुई, जबकि दूसरी गंगोत्री (34) की जेकेलोन अस्पताल में। दोनों मामलों की जांच के लिए समितियां बनाई गई हैं। रूबीना के पति रवि यादव ने बताया कि ऑपरेशन के बाद सब कुछ ठीक था, लेकिन कुछ घंटों बाद तबीयत बिगड़ गई। उन्हें कोटा रेफर किया गया। वहीं, गंगोत्री के पति राकेश सैनी ने कहा कि उनकी पत्नी को 10 से 12 घंटे तक लगातार ब्लीडिंग होती रही। जेकेलोन अस्पताल के अधीक्षक डॉ. निर्मला शर्मा ने कहा कि मरीज हाई रिस्क स्थिति में भर्ती हुई थी। उनकी हालत गंभीर थी और सभी प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। डिलीवरी के बाद गंगोत्री की तबीयत बिगड़ गई थी और उन्हें शनिवार शाम को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने सामान्य डिलीवरी से बच्ची को जन्म दिया, लेकिन इसके बाद ब्लीडिंग शुरू हो गई। घटना के बाद परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया।

जयपुर में दंपती ने चोरी के गहने बेचे

वरिष्ठ रिपोर्टर जयपुर में एक दंपती ने चोरी के मामले में पुलिस के हत्थे चढ़ गए। खातीपुरा स्थित बुनकर कॉलोनी से पुलिस ने संदिग्ध किराएदार विकास मीणा (19) और उसकी पत्नी मोनिका मीणा (20) को हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में दंपती गुमराह करते रहे, लेकिन जब सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्य पेश किए गए, तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने बताया कि चोरी के मामले में आरोपी दंपती को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में हेड कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार और कांस्टेबल देवेंद्र तथा दीपचंद की महत्वपूर्ण

जैसलमेर में चलती स्कूल बस में आग लगने के बाद सभी बच्चे सुरक्षित निकाले गए, घटना की जांच जारी

न्यूज प्रतिनिधि जैसलमेर में मंगलवार को चलती स्कूल बस में अचानक भीषण आग लग गई। घटना के समय बस में 42 बच्चे सवार थे। ड्राइवर ने जैसे ही इंजन से धुआं उठते देखा, तुरंत बस रोककर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। ड्राइवर ने गेट खोलकर एक-एक कर सभी बच्चों को बाहर निकाला। स्थानीय ग्रामीणों ने भी मौके पर पहुंचकर मदद की। सभी बच्चे सुरक्षित हैं और उन्हें परिजनों के साथ घर भेज दिया गया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण बस की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। धऊवा के पास पहुंचते ही सड़क पर बने गड्ढे में अचानक आगे का पहिया आ जाने से बस में झटका लगा और शॉर्ट सर्किट हो गया। देखते ही देखते आग की लपटें निकलने लगीं।

पुलिस का पीछा करते हुए संदिग्ध कार पलटी

स्थानीय संवाददाता पुलिस ने प्रतापगढ़ के छोटीसादड़ी थाना क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों का पीछा किया। एक क्रेटा कार और एक मोटरसाइकिल पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने तुरंत पीछा करना शुरू किया। मोटरसाइकिल चालक ने अपने वाहन को जंगल में छोड़कर भाग निकला। वहीं, कार चालक ने अचानक ब्रेक लगाते ही अपने वाहन को अनियंत्रित कर दिया। इससे पुलिस की गाड़ी और कार पलट गई। कार चालक मौके से भागने में सफल हो गया।

फ्लाइट की जानकारी न देने पर इंडिगो एयरलाइंस पर ₹60,000 का जुर्माना

डेस्क प्रतिनिधि दिल्ली से रायपुर लौट रहे यात्री की फ्लाइट छूटने पर इंडिगो एयरलाइंस पर ₹60,000 का जुर्माना लगाया गया है। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने फ्लाइट री-शेड्यूल होने और टर्मिनल बदलने की समय पर जानकारी नहीं देने के मामले में यह जुर्माना लगाया। आयोग ने इसे उपभोक्ता सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार माना। समय पर एयरपोर्ट पहुंचने के बावजूद यात्री उड़ान नहीं पकड़ सका, जिससे उसे आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। आयोग ने एयरलाइंस को 21,135 रुपये की क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया है। यदि निर्धारित समय में राशि का भुगतान नहीं किया जाता है, तो उस पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

रणजीतपुरा पुलिस ने 8 महीने से फरार विकास को गिरफ्तार किया

विशेष प्रतिनिधि बीकानेर के रणजीतपुरा पुलिस ने एनडीपीएस मामले में फरार विकास को गिरफ्तार किया है। विकास पर 5000 रुपए का इनाम रखा गया था। बीकानेर पुलिस अधीक्षक ने 15 मई 2026 को उसकी गिरफ्तारी के लिए इनाम की घोषणा की थी। यह इनाम विकास की गिरफ्तारी या उसके संबंध में सटीक सूचना देने वाले व्यक्ति के लिए था। रणजीतपुरा थाना पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए खुफिया जानकारी जुटाई और निगरानी शुरू की।

पुलिस को जानकारी मिली कि विकास गौड़ू के थाना क्षेत्र में छिपा हुआ है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने उसके ठिकाने पर दबिश दी और उसे पकड़ लिया।

जाकीवाल ढाणी में दो भाइयों की डूबने से हुई मौत से मचा कोहराम

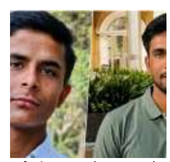

ब्यूरो संवाददाता कोलवा थाना क्षेत्र की जाकीवाल ढाणी में रविवार को दो चचेरे भाइयों की मौत से गांव में मातम छा गया। योगेंद्र कुमार मीणा (32) और विनय कुमार मीणा (19) सुबह खेत पर जाने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की तो घर से करीब 400 मीटर दूर पॉन्ड के किनारे उनके कपड़े और मोबाइल मिले। परिजनों और ग्रामीणों ने आशंका जताई कि दोनों पानी में हो सकते हैं। सूचना मिलने पर कोलवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों युवकों को तलाशने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद रात करीब 11 बजे एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और चार घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। शव बाहर आते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

सुरक्षा कर्मियों ने रची एटीएम लूट की साजिश

ब्यूरो डेस्क बीकानेर जिले के नोखा क्षेत्र में एटीएम वैन से 51 लाख रुपए की लूट का खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि एटीएम वैन में तैनात कर्मचारियों ने सुनियोजित तरीके से इस लूट की साजिश रची थी। पुलिस ने श्याम सुंदर जाट दावा और विक्रम सिंह को गिरफ्तार किया है। इन दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां उन्हें सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि लूट की राशि और अन्य संदिग्धों के संबंध में जानकारी जुटाई जा सके। जांच के दौरान तकनीकी विश्लेषण और गिरफ्तार आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वालों का पर्दाफाश

होटल में 5 युवक गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख डौसा जिले की एक होटल में चल रही अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। डिप्टी एसपी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर थानाधिकारी हरलाल मीना के साथ पुलिस टीम ने दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों से दो मोबाइल एवं 14 हजार रुपए की नकदी बरामद की। पुलिस ने होटल के अंदर चार युवतियों को डिटेन किया, जो दूसरे राज्यों से बुलाई गई थीं। डिप्टी एसपी ने कहा कि होटल के अंदर काफी दिनों से अनैतिक गतिविधियों का खेल चल रहा था। इस कार्रवाई में होटल मैनेजर सहित 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की छापेमारी से होटल संचालकों में हड़कंप मच गया। होटल के कर्मचारी इधर-उधर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने मौके से अनिल सैनी, राहुल वाल्मीकि, देवेन्द्र कुमार बैरवा, सोनू सैनी और मनोज सैनी को गिरफ्तार कर लिया। चार युवतियों को डिटेन कर सखी सेंटर भेजा गया है। डिप्टी एसपी ने बताया कि अपराध, नशे और अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। डिप्टी एसपी ने लोगों से अपील की कि क्षेत्र में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार, अवैध गतिविधियों और अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पीटा एक्ट व अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बदमाशों ने चेक चुराकर 28700 रुपये निकाले

नगर प्रतिनिधि पुलिस ने कहा कि इस मामले में सभी संभावित सबूतों को इकट्ठा किया जा रहा है। चोरों को पकड़ने के लिए सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। बैंक की शिकायत के आधार पर कोतवाली थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह मामला स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है। इस पूरे घटनाक्रम में सवाल यह उठता है कि क्या बैंक अपने ग्राहकों की सुरक्षा को सुनिश्चित कर पा रहे हैं। इस घटना ने सभी बैंकों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बैंक ने कहा कि जांच पूरी होने तक सभी चेकों की क्लियरिंग प्रक्रिया को रोक दिया गया है। यह कदम ग्राहकों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। जांच में शामिल अधिकारियों ने कहा कि अलवर में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे।

बदमाशों ने 28,700 रुपए निकालकर किया दुरुपयोग

अलवर में यस बैंक के ड्रॉप बॉक्स से अज्ञात बदमाशों ने चेक चोरी कर उनका दुरुपयोग कर दिया। चोरों ने रात के समय चेक ड्रॉप बॉक्स में डंडे या अन्य वस्तु की मदद से कुछ चेक निकाल लिए। इन चेकों में से कुछ बाद में वापस ड्रॉप बॉक्स में डाल दिए गए। बैंक के ग्राहक हिमांशु गुप्ता का चेक क्लियरिंग के लिए लगाया गया था, लेकिन यह दो बार वापस आ गया। जांच में पता चला कि यह चेक पहले ही बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा से नकद भुगतान हो चुका था। बदमाशों ने अन्य चेकों का दुरुपयोग कर 20 जुलाई को दूसरे बैंकों से नकद राशि निकाल ली। इस मामले में बैंक प्रबंधक आशीष पालीवाल ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस की जांच में सीसीटीवी फुटेज और चेकों से जुड़े रिकॉर्ड के आधार पर घटना की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। एसएचओ दिनेश चंद मीणा ने बताया कि बदमाशों की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस घटना के बाद बैंक की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। ग्राहकों में चिंता का माहौल है कि उनकी जमा राशि सुरक्षित है या नहीं। बैंक प्रबंधक ने कहा कि सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। चेक ड्रॉप बॉक्स की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए नए उपायों पर विचार किया जा रहा है।

बदमाशों ने चेकों का दुरुपयोग कर 28700 रुपए की राशि निकाली है

दूसरी घटना में माउंट लिटेरा जी स्कूल ने 18 जुलाई को बैंक के ड्रॉप बॉक्स में 28,700 रुपए का चेक डाला था। यह चेक भी बाद में दुरुपयोग का शिकार हो गया। इस प्रकार की घटनाओं से सभी ग्राहकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

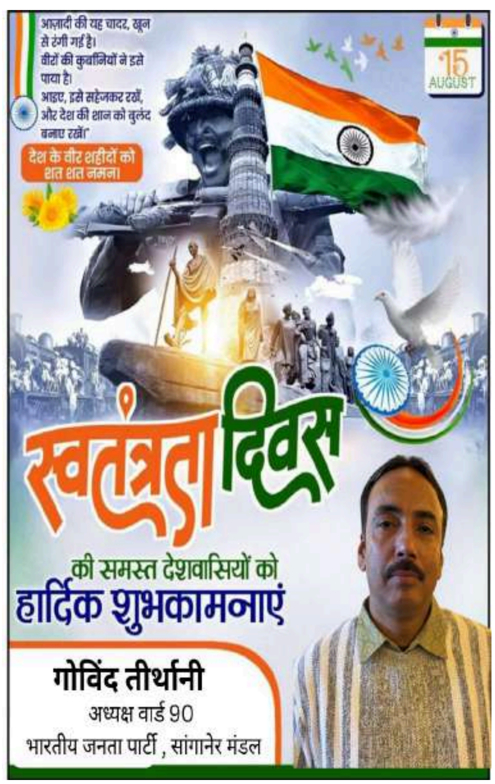

वाईएसआरसीपी ने नेल्लोर में सीबीआई जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया

10 अगस्त को नेल्लोर में वाईएसआरसीपी ने किया बड़ा प्रदर्शन

न्यूज संवाददाता वाईएसआरसीपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 10 अगस्त को आंध्र प्रदेश के नेल्लोर शहर में एक विरोध रैली आयोजित की। इस रैली में उन्होंने मेगा डीएससी भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की। प्रदर्शनकारी पीआरसी से गांधी प्रतिमा तक मार्च करते हुए अपने आरोपों को लेकर एकजुट हुए। वाईएसआरसीपी नेता चंद्रशेखर रेड्डी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश में यूनीटेड आंध्र आंदोलन के बाद से यह सबसे बड़ा आंदोलन है। उन्होंने कहा कि हजारों लोग सड़कों पर उतरे हैं और राज्य के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों और जिलों में प्रदर्शन हो रहे हैं। चंद्रशेखर रेड्डी ने शिक्षा मंत्री नारा लोकेश से तुरंत इस्तीफा देने की मांग की, यह कहते हुए कि उन्हें इन अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी ने इस मामले में सबूत पेश किए हैं और एक जांच की मांग की है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आरोप लगाए गए हैं और सबूत प्रस्तुत किए गए हैं, तो जांच क्यों नहीं की जानी चाहिए। चंद्रशेखर रेड्डी ने कहा कि यदि सरकार को विश्वास है कि भर्ती प्रक्रिया सही ढंग से की गई थी, तो सीबीआई जांच तथ्यों को स्पष्ट कर सकती है। वाईएसआरसीपी नेता ने कहा कि यह मांग केवल एक जांच के लिए नहीं है बल्कि विशेष रूप से सीबीआई जांच की मांग है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री को शिक्षा विभाग से हटना चाहिए और सीबीआई द्वारा जांच की जानी चाहिए। चंद्रशेखर रेड्डी ने कहा कि हजारों और लाखों लोगों का सड़कों पर आना एक गंभीर मामला है और इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार सीबीआई जांच से बच रही है, जबकि आरोपों और सबूतों का पैमाना बड़ा है। चंद्रशेखर रेड्डी ने यह भी कहा कि यदि सीबीआई जांच सरकार को साफ-सुथरा साबित करती है, तो यह सरकार की ईमानदारी और जिम्मेदारी को लोगों के सामने स्थापित कर सकती है। वाईएसआरसीपी ने यह स्पष्ट किया है कि वे इस मुद्दे को उठाते रहेंगे और सीबीआई जांच की मांग करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आंदोलन जारी रहेगा और उनकी मांगें स्पष्ट हैं। प्रदर्शनकारियों ने नेल्लोर में अपनी मांगों के समर्थन में एकजुट होकर आवाज उठाई, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वे अनियमितताओं के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे।

ओडिशा के हॉस्टल में छात्रों ने खराब खाने और सुविधाओं पर उठाया सवाल

मुख्य संवाददाता प्रदर्शन करने के बाद शिक्षा विभाग ने स्कूल में व्याप्त समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी स्कूल की सफाई व्यवस्था, पेयजल, भवन की स्थिति और अन्य मूलभूत सुविधाओं का आकलन कर रिपोर्ट देगी। रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक मरम्मत और सुधार कार्य कराए जाएंगे ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। शिक्षा विभाग ने कहा कि विद्यार्थियों की सुविधाओं से समझौता नहीं किया जाएगा। स्कूल में सामने आई कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाएगा और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस घटना ने सरकारी आवासीय छात्रावासों की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। स्कूल की प्रिंसिपल राजलक्ष्मी महाराणा ने छात्रों के अधिकांश आरोपों से इनकार किया, लेकिन हॉस्टल में कुछ अव्यवस्थाओं की बात स्वीकार की। इस मामले को लेकर छात्रों के माता-पिता भी मौके पर पहुंचे और अपने बच्चों को लेकर चले गए। छात्रों का कहना है कि हॉस्टल में रहने की स्थिति बहुत खराब है।

इस घटना के बाद शिक्षा एवं जनजातीय कल्याण विभाग के अधिकारियों ने छात्रों और उनके माता-पिता से बातचीत की। उन्हें समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया गया। हालात में सुधार लाने के लिए शिक्षा विभाग ने तुरंत कदम उठाए हैं।

हॉस्टल में छात्रों को ठूंसकर रखने और खाने में कीड़े मिलने की शिकायतें आईं

ओडिशा के नबरंगपुर जिले के झरिगांव ब्लॉक स्थित सांतेमारा सरकारी उच्च विद्यालय के हॉस्टल में छात्रों ने नाराज होकर हॉस्टल छोड़ने का फैसला किया। छात्रों ने अपने बैग लेकर पैदल घर की ओर निकल पड़े। छात्रों ने हॉस्टल में कमरों की कमी, गंदे टॉयलेट, और खाने की खराब क्वालिटी की शिकायत की। खाने में कीड़े मिलने की भी शिकायत की गई। हॉस्टल की स्थिति को लेकर छात्रों ने कहा कि उन्हें केवल दो कमरों में ठूंसकर रखा गया है। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। छात्रों ने बताया कि हॉस्टल में बारिश का पानी टपकता है और खेल सामग्री की भी कमी है। इस घटना के बारे में असिस्टेंट ब्लॉक ऑफिसर दशरथ गोंड ने कहा कि हमें जब इस बारे में सूचना मिली, तो हम तुरंत मौके पर पहुंचे।

उन्होंने देखा कि बच्चे चलकर आ रहे थे और उन्हें दुकलपाड़ा स्कूल में रुकने के लिए कहा गया। वहां उन्हें खाने-पीने की सुविधा दी गई। छात्रों से बातचीत के बाद शिक्षा विभाग ने प्रिंसिपल का ट्रांसफर कर दिया है। नए प्रिंसिपल गणेशराम नायक की नियुक्ति की गई है। इस बदलाव के बाद छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के लिए गाड़ी की व्यवस्था कर उन्हें वापस स्कूल भेजा गया।

कलेक्टर ने किसानों को राहत देने के लिए सर्वे कराने का निर्देश दिया

किसानों को समय पर सहायता राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया

ब्यूरो प्रतिनिधि कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने अधिक वर्षा से प्रभावित फसलों का सर्वे कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को किसानों को समय पर सहायता राशि उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। कलेक्टर ने बैठक के दौरान फसल बीमा योजना के आवेदन की अंतिम तिथि को 17 अगस्त 2026 तक बढ़ाने की जानकारी दी। यह कदम किसानों को राहत पहुंचाने के लिए उठाया गया है। बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों की योजनाओं और जनहित से जुड़े प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का विभागवार निराकरण करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि अधिक समय से लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ समाधान होना चाहिए।

आंध्र में बाघ पकड़ने की कोशिशें तेज

जिला रिपोर्टर आंध्र प्रदेश वन विभाग ने एलुरु क्षेत्र में सक्रिय बाघ को सुरक्षित रूप से पकड़ने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। बाघ ने राजामहेंद्रवरम, काकिनाडा और चिंतुरु के वन क्षेत्रों में घूमने के दौरान मानव गतिविधियों से बचने की अद्भुत चतुराई दिखाई है। वन विभाग ने बाघ को लुभाने के लिए चारा और जाल लगाए हैं, जहां ट्रैंक्विलाइज़र टीमें और पशु चिकित्सा विशेषज्ञ तैयारी में हैं। लगभग 350 पेर्सोन्नेल के वन और वन्यजीव प्रभागों के अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों ने इस ऑपरेशन में भाग लिया है। अधिकारी संवाद बनाए रखने के लिए वॉकी-टॉकी और वीएचएफ संचार नेटवर्क का उपयोग कर रहे हैं। वन टीमें बाघ के संभावित मार्गों की निगरानी के लिए तारे के पैटर्न और यू-आकार की खोज विधियों का उपयोग कर रही हैं। बाघ को सुरक्षित रूप से पकड़ने की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए थर्मल ड्रोन, नाइट-विज़न कैमरे, ट्रैकिंग टीमें और जाल बाड़ का प्रयोग किया जा रहा है। वन विभाग ने बाघ की गतिविधियों की निगरानी भी की है।

जानवरों का गोद लेना बढ़ा

वरिष्ठ प्रतिनिधि इंदिरा गांधी प्राणी उद्यान, विशाखापत्तनम में हाल ही में जानवरों को गोद लेने की प्रवृत्ति में तेजी आई है। सोहन गौतम येन्नेटी ने अपने जन्मदिन पर एक लाल गर्दन वाले वालाबी को गोद लिया, जो इस बढ़ती प्रवृत्ति का एक उदाहरण है। उनके जैसे कई लोग अब जन्मदिन, वर्षगांठ और अन्य अवसरों को मनाने के लिए जानवरों को गोद लेने का विकल्प चुन रहे हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में, उद्यान ने 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। गौतम के निर्णय ने इस बात को स्पष्ट किया कि परिवारों के बीच जानवरों को गोद लेने का चलन बढ़ रहा है। यह कार्यक्रम न केवल एक चैरिटेबल दान है, बल्कि जानवरों की देखभाल में योगदान करने का एक तरीका भी है। गोद लेने के बाद, गोद लेने वाले को एक प्रमाण पत्र, उपहार किट और पार्क में मुफ्त प्रवेश जैसी सुविधाएं मिलती हैं। विशाखापत्तनम के इंदिरा गांधी प्राणी उद्यान में कई परिवार अब अपने बच्चों के लिए जानवरों को गोद लेने का विकल्प चुन रहे हैं। बच्चे अक्सर अपने पसंदीदा जानवरों के प्रति एक भावनात्मक संबंध बनाते हैं, जिससे उनके माता-पिता भी गोद लेने के लिए प्रेरित होते हैं। कई माता-पिता ने बताया कि यह विचार मुख्यतः युवा आगंतुकों से आया है। हालांकि बाघ, शेर और हाथी जैसे लोकप्रिय जानवरों में रुचि बनी हुई है, लेकिन अब लोग कछुए, सांप, और पक्षियों जैसे कम ज्ञात प्रजातियों को भी गोद लेने में रुचि दिखा रहे हैं। इस बदलाव को देखकर उद्यान की अधिकारी मंगम्मा ने इसे एक सकारात्मक संकेत बताया। जानवरों को गोद लेने से न केवल गोद लेने वाले को लाभ होता है, बल्कि यह वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी मदद करता है। कार्यक्रम के दौरान, जानवरों के व्यवहार, आहार और संरक्षण स्थिति के बारे में जानकारी दी जाती है।

जनता से पौधों की सुरक्षा की अपील

हरशवर्धन राजू ने एक वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने जनता से अपील की कि वे नए लगाए गए पौधों की सुरक्षा करें। राजू ने कहा कि पौधों की देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है। हरशवर्धन राजू ने लोगों से अपील की कि वे अनावश्यक यात्रा को कम करके ऑटोमोबाइल ईंधन का उपयोग घटाएं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने परिवहन के विकल्पों पर विचार करना चाहिए। एक बार उपयोग होने वाले प्लास्टिक के उपयोग से पूरी तरह से बचने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। राजू ने बताया कि यह कदम पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि पेड़ न केवल प्रदूषण को कम करते हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से लड़ने में भी मददगार होते हैं। राजू ने इस दिशा में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई।

राजू ने बताया कि वृक्षारोपण अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को इस आंदोलन से जोड़ना है। उन्होंने स्थानीय समुदाय से सहयोग की अपेक्षा की। यह अभियान न केवल पर्यावरण के लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी महत्वपूर्ण है। राजू ने इस पहल को जन आंदोलन बनाने का संकल्प लिया।

जिले में वर्षा के आंकड़े में सुधार हुआ, औसत 24.3 इंच

स्थानीय प्रतिनिधि जिले में वर्षा ऋतु 2026-27 में अब तक औसतन 512. 9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में पिछले वर्ष 2025-26 में औसतन 536.

7 मिमी वर्षा हुई थी। बैतूल में 21. 6 मिमी, घोड़ाडोंगरी में 55.

0 मिमी, चिचोली में 51. 0 मिमी, शाहपुर में 57. 0 मिमी, मुलताई में 15.

2 मिमी, प्रभात पट्टन में 7. 0 मिमी, आमला में 20. 0 मिमी, भैंसदेही में 0.

0 मिमी और भीमपुर में 17. 0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में पिछले वर्षा ऋतु के दौरान औसतन 24.

3 मिमी वर्षा हुई थी। उल्लेखनीय है कि जिले की सामान्य औसत वर्षा 1083. 9 मिमी है, जबकि गत वर्ष की सामान्य औसत वर्षा 1097.

4 मिमी रही थी। इस वर्ष की वर्षा पिछले वर्ष की तुलना में कम है, जिससे किसानों में चिंता बढ़ रही है। यदि वर्षा का स्तर इसी तरह बना रहा, तो फसल उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और अधिक वर्षा की संभावना जताई है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे फसलों की तैयारी में सतर्क रहें और मौसम की जानकारी पर ध्यान दें।

गांव में बर्तन धोने को लेकर विवाद, पुलिस पहुंची

ब्यूरो रिपोर्टर उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक अनोखी घटना सामने आई है। यहां एक बहू ने अपनी सास पर बर्तन धोने से इनकार करने का आरोप लगाया। मामला इतना बढ़ गया कि बहू ने 112 पर कॉल करके पुलिस बुला ली। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची, तो उन्हें स्थिति की गंभीरता समझ में नहीं आई। प्रथमिक पूछताछ के दौरान पुलिस कर्मी हैरान रह गए। उन्होंने सोचा कि यह मामला सामान्य घरेलू विवाद है, लेकिन जब पति को बुलाया गया तो पूरी स्थिति बदल गई। महिला ने पुलिस को बताया कि उसका पति उसके साथ अभद्र व्यवहार कर रहा है। हालांकि, जब पति ने अपनी बात रखी, तो उन्होंने बताया कि विवाद उसकी पत्नी और मां के बीच है। पत्नी ने अपनी सास पर बर्तन धोने का दबाव डाला था। पति ने बताया कि उसकी मां ने बर्तन धोने से इनकार कर दिया था। इस पर पत्नी ने गुस्से में आकर पुलिस को कॉल कर दिया। पति ने कहा कि सास ने कहा था कि अगर गांव की अन्य महिलाएं इस बात के बारे में जान जाएंगी, तो क्या कहेंगी? बर्तन धोने को लेकर हुआ यह विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस को बीच में हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस ने पत्नी की शिकायत को गंभीरता से लिया, लेकिन जब पति ने अपनी मां की बात रखी, तो स्थिति और भी जटिल हो गई। सास ने कहा कि वह काम नहीं करती हैं, इसलिए बर्तन धोने से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों के बीच विवाद और बढ़ गया। पति ने पत्नी को समझाते हुए कहा कि यह उसकी गलती है। इस घटना में पुलिस ने पति को चेतावनी दी है। पुलिस ने कहा कि पति को अपनी पत्नी के साथ ठीक से पेश आना चाहिए और दोबारा ऐसी स्थिति नहीं आने चाहिए। पुलिस ने पति को बताया कि 112 पर कॉल करने वाली महिला ने ही शिकायत दर्ज कराई थी। इसलिए उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में कोई और शिकायत न आए। इस पूरे मामले में पुलिस ने अभी तक महिला के पति को ही चेतावनी दी है।

पति ने बताया कि पत्नी चाहती थी कि वह अपनी मां को डांटे, लेकिन जब वह ऐसा नहीं कर पाया, तो पत्नी ने पुलिस को बुला लिया। घटना चिलकाना थाना क्षेत्र के एक गांव की है, जहां परिवार की पहचान को सुरक्षित रखने के लिए पुलिस ने उनके नाम का खुलासा नहीं किया। पुलिस के पहुंचने पर दोनों पक्षों की बातें सुनकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। उन्हें समझ में नहीं आया कि गलती किसकी है, सास की या बहू की। इस घटना ने गांव में चर्चा का विषय बना दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाएं आमतौर पर सुनने में नहीं आती। महिला ने अपनी सास पर बर्तन धोने का दबाव डालकर एक नए विवाद को जन्म दिया। यह मामला पारिवारिक होने के कारण पुलिस ने इसे संवेदनशीलता से संभाला। इस तरह के घरेलू विवादों का समाधान सामान्यत: परिवार के भीतर ही किया जाता है, लेकिन इस मामले ने पुलिस की भी चिंता बढ़ा दी है।

श्रीलंका में सिराज का नया लुक और गेंदबाजी की चुनौती

स्थानीय संवाददाता मोहम्मद सिराज ने श्रीलंका दौरे पर अपने नए लुक से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। प्रैक्टिस मुकाबले के पहले दिन उनका नया हेयरस्टाइल सामने आया, जिसमें उन्होंने घुंघराले बालों को हल्की हाइलाइट्स के साथ नया रूप दिया है। यह लुक उनके पिछले हेयरस्टाइल से बिल्कुल अलग है। सिराज ने पहले भी अपने लुक में बदलाव किए हैं, लेकिन इस बार उनका अंदाज और भी खास नजर आ रहा है। श्रीलंका में उनके लुक के साथ-साथ उनकी गेंदबाजी की जिम्मेदारी भी बड़ी होगी। जसप्रीत बुमराह के टेस्ट सीरीज से बाहर होने के कारण सिराज भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के सबसे अनुभवी चेहरे बन गए हैं। ऐसे में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। उन्हें नई गेंद संभालने और लगातार विकेट चटकाने की उम्मीद के साथ मैदान पर उतरना होगा। भारतीय टीम श्रीलंका दौरे पर है, जहाँ उसे मेजबान टीम के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलने हैं। पहले टेस्ट से पहले टीम कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड में श्रीलंका एकादश के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच खेल रही है। इस प्रैक्टिस मुकाबले में भारतीय तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर टीम मैनेजमेंट की खास नजर रहेगी। सिराज के साथ टीम में अन्य तेज गेंदबाजों के चयन पर भी चर्चा चल रही है। बुमराह की गैरमौजूदगी में गुरनूर बरार, प्रसिद्ध कृष्णा और औकिब नबी जैसे विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में प्रैक्टिस मुकाबले में गेंदबाजों की परफॉर्मेंस टीम के लिए महत्वपूर्ण होगी। श्रीलंका में पिचों से स्पिनरों को ज्यादा मदद मिलने की संभावना रहती है, लेकिन तेज गेंदबाजों के लिए नई गेंद और रिवर्स स्विंग अहम हथियार साबित हो सकते हैं। सिराज ने विदेशी परिस्थितियों में भारत के लिए कई महत्वपूर्ण स्पेल डाले हैं। ऐसे में उनकी अनुभव और कौशल का सही उपयोग होना चाहिए। प्रैक्टिस मैच के पहले दिन खेल से ज्यादा चर्चा सिराज के नए लुक की रही। उनके हेयरस्टाइल ने सभी का ध्यान खींचा, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वह सिर्फ खेल में ही नहीं, बल्कि अपने अंदाज में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। सिराज ने अपने लुक के साथ-साथ अपनी गेंदबाजी को भी और धारदार बनाने का प्रयास किया है। उन्हें उम्मीद है कि श्रीलंका के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैचों में उनकी गेंदबाजी टीम के लिए निर्णायक साबित होगी। शुभमन गिल की चोट के कारण केएल राहुल को टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है। गिल के दाएं हाथ की रिंग फिंगर में इम्पैक्ट इंजरी लगी है, जिसके कारण उन्हें वार्म-अप मुकाबले के पहले दिन मैदान पर नहीं उतारा गया। भारतीय टीम का यह दौरा कई मायनों में महत्वपूर्ण है।

बाबर आजम के साथ इंटरव्यू के लिए इरफान पठान ने झूठी कहानी का सामना किया

पठान ने झूठी कहानी का किया खुलासा

डेस्क रिपोर्टर इरफान पठान ने एक कार्यक्रम में बताया कि पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम के बारे में एक झूठी कहानी चलाई गई थी। मुंबई (महाराष्ट्र) में 7 अगस्त को जियोहॉटस्टार के 'चीकी सिंगल्स' पर बात करते हुए पठान ने कहा कि एक बार मीडिया ने दावा किया कि उन्होंने बाबर का इंटरव्यू लेने की कोशिश की थी, लेकिन बाबर ने मना कर दिया। पठान ने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से गलत था। उन्होंने कहा, "किसी ने मेरी तस्वीर को फोटोशॉप करके एक अन्य व्यक्ति के शरीर पर लगा दिया और इस कहानी को फैलाया। " उन्होंने बताया कि उस फोटोशॉप की गई तस्वीर में मूल व्यक्ति एक युवा बांग्लादेशी पत्रकार था, जो पहली बार ग्राउंड पर गया था और उसे इंटरव्यू देने से मना कर दिया गया था। पठान ने कहा, "उन्होंने सचमुच मेरी तस्वीर को उसके शरीर पर रख दिया और कहानी को फैलाया। इसने एक मिलियन से अधिक व्यूज हासिल किए और लोगों ने विश्वास किया कि यह मैं हूँ। " पठान ने कहा कि यह हर दिन होता है, लेकिन वह किसी भी झूठी कहानी पर प्रतिक्रिया नहीं देते।

उन्होंने कहा, "अगर आप सभी पर प्रतिक्रिया देंगे, तो आप अपने जीवन को जी नहीं पाएंगे।

" हर दिन कुछ न कुछ झूठ हमारे नाम पर या किसी खिलाड़ी के बारे में कहा जाता है।

पठान ने कहा कि वह इन झूठों का सामना करते हुए भी चुप रहते हैं। उन्होंने कहा कि "ट्रोलिंग और फेक अट्रिब्यूशन" हर दिन होते हैं। उन्होंने वनडे में एक शतक और 11 अर्धशतक भी लगाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 102 रन रहा। पठान ने आईपीएल में पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट और गुजरात लायंस का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ उन्होंने 80 मैचों में 301 रन बनाए। उनके पास 29.85 के औसत से नौ पांच विकेट और दो दस विकेट लेने के आंकड़े भी हैं। पठान ने कहा कि वह अपने करियर में चोटों के कारण प्रभावित हुए, लेकिन फिर भी वह अपने खेल के प्रति समर्पित रहे। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएँ उनके लिए चुनौतीपूर्ण होती हैं, लेकिन वह अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

जडेजा का श्रीलंका के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड

जडेजा ने सात टेस्ट में 326 रन बनाए हैं

खास रिपोर्ट रविंद्र जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में अपने शानदार रिकॉर्ड को फिर से साबित करने का मौका पाया है। 7 अगस्त को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान, जडेजा एक बार फिर से मैदान में उतरेंगे। जडेजा ने अब तक श्रीलंका के खिलाफ खेले गए सात टेस्ट मैचों में नौ पारियों में 326 रन बनाए हैं, जिनकी औसत 65.20 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और एक अर्धशतक भी बनाया है, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175* है। जडेजा ने गेंदबाजी में भी अपनी क्षमता का लोहा मनवाया है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 33 विकेट लिए हैं, जिनकी औसत 23.72 है। उनके पास दो पांच विकेट हॉल भी हैं, जिनमें से सर्वश्रेष्ठ आंकड़े 5/41 हैं। जडेजा का प्रदर्शन पिछले कुछ वर्षों में लगातार सुधरता गया है, जिससे वह आधुनिक युग के बेहतरीन ऑल-राउंडरों में से एक बन गए हैं। जडेजा ने कुल मिलाकर श्रीलंका में 791 रन बनाए हैं, जिनकी औसत 46.52 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक भी बनाए हैं। गेंदबाजी में उन्होंने 66 विकेट लिए हैं, जिनकी औसत 31.87 है।

जडेजा की गेंदबाजी में कुशलता और बल्लेबाजी में स्थिरता ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का महत्वपूर्ण हिस्सा बना दिया है।

भारत की टेस्ट टीम वर्तमान में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर है।

टीम ने नौ मैचों में चार जीत और चार हार दर्ज की हैं, और उनका पॉइंट प्रतिशत 48.150 है।

जडेजा की वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी, खासकर जब आगामी टेस्ट सीरीज में न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच होने वाले हैं। जडेजा ने पिछले वर्ष गेंदबाजी में अपनी उच्च मानकों के अनुसार अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने केवल 10 विकेट लिए और

उनका औसत 38.20 रहा। हालांकि, बल्लेबाजी में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया, 791 रन बनाए, जिसमें दो शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 63.66 रहा, और उनका सर्वोत्तम स्कोर 107* था। यदि जडेजा 400 विकेटों का आंकड़ा पार करते हैं, तो वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले पांचवें भारतीय बन जाएंगे। यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा जो उनके करियर को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। जडेजा की बल्लेबाजी और गेंदबाजी की क्षमता उन्हें आधुनिक युग के सबसे बेहतरीन ऑल-राउंडरों में से एक बनाती है। भारत की टेस्ट टीम में शुबमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मनव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रदीप कृष्णा, गुर्नूर ब्रार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और औकिब नबी शामिल हैं। टीम इंडिया और उनके प्रशंसक जडेजा की इस श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। जडेजा श्रीलंका के खिलाफ खेलने में हमेशा से अच्छा प्रदर्शन करते आए हैं, और उनकी वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी।

सौरव गांगुली को जान से मारने की धमकी

धमकी भरे पत्र में लिखा गया है

ब्यूरो प्रतिनिधि सौरव गांगुली और उनकी पत्नी डोना गांगुली को हाल ही में जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी भरा पत्र कुरियर से भेजा गया, जिसमें सभी बातें अंग्रेजी में लिखी हुई हैं। गांगुली परिवार को पिछले कुछ समय से लगातार धमकियां मिल रही थीं, लेकिन सोमवार को जो पत्र बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन (सीएबी) के ऑफिस पहुंचे, उनमें बेहद आक्रामक और हिंसक का इस्तेमाल किया गया था। गांगुली परिवार ने पहले इन धमकियों को नजरअंदाज किया था, उन्हें लगा कि यह किसी नाराज फैन की हरकत हो सकती है। लेकिन अब स्थिति गंभीर हो गई है। इस बार जो पत्र मिले, उनमें गांगुली और उनके परिवार के लिए नफरत भरी बातें लिखी गई थीं, साथ ही गांगुली और उनके स्टाफ को जान से मारने की धमकी भी दी गई। गांगुली ने इस मामले की गंभीरता को समझते हुए ठाकुरपुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सभी आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया है। सौरव गांगुली अभी क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष हैं और इस स्थिति ने उनके और उनके परिवार के लिए चिंता बढ़ा दी है। गांगुली के करीबी सूत्रों का कहना है कि उन्हें इस प्रकार की धमकियों का सामना पहले भी करना पड़ा है, लेकिन इस बार का पत्र सबसे खतरनाक है। सभी को जान से मारने की धमकी ने उनके परिवार में भय पैदा कर दिया है। गांगुली परिवार की सुरक्षा को लेकर भी पुलिस ने अतिरिक्त उपाय किए हैं। इस मामले में पुलिस ने कहा है कि वे सभी संभावित सुरागों की जांच कर रहे हैं। धमकी भरे पत्र की जांच के लिए वैज्ञानिक तरीके से सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं। गांगुली परिवार की सुरक्षा के लिए पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है, ताकि उन्हें और उनके परिवार को कोई खतरा न हो। सौरव गांगुली के साथ काम करने वाले सभी लोगों को भी इस पत्र में जान से मारने की धमकी दी गई है। यह स्थिति न केवल गांगुली के लिए, बल्कि उनके सभी सहयोगियों के लिए भी चिंताजनक है। गांगुली के प्रशंसकों ने भी इस घटना की निंदा की है और उनके समर्थन में खड़े हुए हैं। गांगुली के समर्थकों और क्रिकेट प्रेमियों ने इस धमकी को एक गंभीर अपराध मानते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। गांगुली ने अपने प्रशंसकों से अपील की है कि वे इस समय उनके परिवार का समर्थन करें।

टीम इंडिया में रिटायरमेंट और ड्रॉप के बाद बदलाव

टीम में 9 नए खिलाड़ी शामिल हुए हैं

वरिष्ठ रिपोर्टर भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल के वर्षों में बड़े बदलाव किए हैं। 2026 में टीम इंडिया का दौरा श्रीलंका के लिए निर्धारित है, जिसमें रेड बॉल क्रिकेट खेला जाएगा। इस दौरे से पहले, टीम में कई प्रमुख खिलाड़ियों के रिटायरमेंट और ड्रॉपिंग की घटनाएँ हुई हैं। इस बार पिछले दौरे के सिर्फ 9 खिलाड़ी ही टीम में शामिल हैं। विराट कोहली, रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे, शिखर धवन, चेतेश्वर पुजारा, रविचंद्रन अश्विन और रिद्धिमान साहा ने संन्यास ले लिया है। इन खिलाड़ियों के बिना टीम का स्वरूप बदल गया है। टीम में नए खिलाड़ियों की एंट्री भी हुई है। शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया है, और यशस्वी जयसवाल, देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, सारांश जैन, आकिब नबी, मानव सुथार और गुरनूर बराड़ ने टीम में जगह बनाई है। विराट कोहली और रोहित शर्मा वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं, लेकिन अन्य कई खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट से दूर हो चुके हैं। हार्दिक पांड्या केवल व्हाइट बॉल क्रिकेट खेल रहे हैं। इसके अलावा, ईशांत शर्मा, उमेश यादव, भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी लंबे समय से टेस्ट टीम से बाहर हैं। 2026 के दौरे पर सिर्फ स्पिनर कुलदीप यादव और विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल टीम का हिस्सा हैं। यह बदलाव टीम इंडिया के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे टीम की रणनीति और प्रदर्शन पर असर पड़ेगा। भारत और श्रीलंका के बीच 2026 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। इससे पहले, भारतीय टीम शुक्रवार को श्रीलंका एक्सआई के खिलाफ 3-दिवसीय वॉर्मअप मैच खेलेगी। यह मैच टीम की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होगा। टीम इंडिया के स्क्वॉड में हुए इन बदलावों से क्रिकेट प्रेमियों में उत्सुकता बढ़ गई है।

जयपुर का यू-टर्न मॉडल दिल्ली से अलग, दुर्घटनाओं की आशंका

विशेष प्रतिनिधि जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने न्यू सांगानेर रोड को सिग्नल फ्री बनाने के लिए छह नए यू-टर्न विकसित करने का निर्णय लिया है। यह कदम दिल्ली के यू-टर्न मॉडल को अपनाने के बजाय जयपुर में एक अलग प्रयोग के तहत उठाया जा रहा है। नई योजना में सड़क की चौड़ाई कम होने की आशंका है, जिससे जाम और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ सकती है। ट्रैफिक इंजीनियरिंग के जानकारों ने चेतावनी दी है कि यह प्रयोग खतरनाक हो सकता है। दिल्ली के यू-टर्न मॉडल में दो लेन सीधे यातायात के लिए रखी गई हैं, जबकि जयपुर में एक लेन यू-टर्न के लिए रखी जा रही है। इससे सीधे जाने वाले वाहनों को ग्रीन बेल्ट से गुजरना पड़ेगा। जेडीए की अभियांत्रिकी शाखा ने जयपुर में यू-टर्न मॉडल का अध्ययन किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रस्तावित मॉडल दिल्ली से पूरी तरह अलग है और इससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ सकती है। जयपुर में विकसित हो रहे यू-टर्न के साथ जो 'नोज' बनाई जा रही है, वह खतरनाक साबित हो सकती है। इससे सड़क पर दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। इस योजना के तहत, मुख्य मार्ग से आंतरिक सड़कों की ओर जाने वाले वाहनों के लिए बायीं ओर का रास्ता पूरी तरह मुक्त रहेगा। जेडीए ने इस परियोजना पर 4.5 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है, जिसमें 2.3 करोड़ रुपये एक पैदल यात्री अंडरपास के निर्माण पर खर्च होंगे। इस परियोजना के तहत, पिछले एक वर्ष से सड़क के विकास का काम चल रहा है। इस दौरान नया डिवाइडर और ग्रीन बेल्ट विकसित किया गया है। यदि नया प्रोजेक्ट लागू किया गया, तो ग्रीन बेल्ट को नुकसान होगा और हाल ही में बने डिवाइडर को तोड़ना पड़ेगा। ट्रैफिक विशेषज्ञों ने बताया कि जयपुर से जो टीम आई थी,

उसे दिल्ली के यू-टर्न मॉडल दिखाए गए थे। जयपुर में यू-टर्न के साथ जो 'नोज' बनाई जा रही है, उसे लेकर चिंता जताई गई है। जेडीए ने न्यू सांगानेर रोड पर ट्रैफिक सिग्नल को हटाने की योजना बनाई है। इस योजना में इस्कॉन रोड, पटेल मार्ग, वीटी रोड, मान्यावास रोड, स्वर्ण गार्डन और भृगु पथ पर सभी ट्रैफिक सिग्नल हटाए जाएंगे। यदि तकनीकी खामी सामने आती है, तो उसका समाधान किया जाएगा। कंसल्टेंसी फर्म ने अभी अंतिम रिपोर्ट नहीं सौंपी है, जिसके बाद काम शुरू होगा। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि योजना तकनीकी रूप से सफल नहीं होती है, तो इससे ट्रैफिक की स्थिति और भी खराब हो सकती है। इस योजना में बड़े हिस्से का उपयोग डिवाइडर और यू-टर्न के निर्माण में किया जाएगा। जयपुर में पिछले एक वर्ष में करोड़ों रुपये खर्च कर सड़क का विकास किया गया है। अब उसी विकास पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है। इस परियोजना पर कुल 24 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस प्रोजेक्ट पर 4.5 करोड़ रुपये एक पैदल यात्री अंडरपास के निर्माण पर खर्च होंगे। 2.3 करोड़ रुपये एक यू-टर्न विकसित करने पर खर्च होंगे। पहला यू-टर्न मेट्रो ट्रैक से करीब 600 से 800 मीटर दूरी पर प्रस्तावित है। कनेक्टिविटी को लेकर 8 यू-टर्न बनेंगे 4,500 मीटर लंबे न्यू सांगानेर रोड पर छह और बी-टू बायपास पर दो यू-टर्न बनाए जाएंगे। यदि योजना सफल रही तो मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से न्यू सांगानेर होते हुए टोंक रोड और जेएलएन मार्ग तक सीधी कनेक्टिविटी मिल जाएगी। इस पूरे मार्ग पर केवल बी-टू बायपास और न्यू सांगानेर रोड के जंक्शन पर ही ट्रैफिक सिग्नल रहेगा। ट्रैफिक एक्सपर्ट ने कहा कि हम दिल्ली में 70 से ज्यादा यू-टर्न विकसित कर चुके हैं और वाहन चालकों को परेशानी नहीं हो रही। चार से छह महीने में 100 और यू-टर्न की योजना है। इस योजना के तहत, यदि तकनीकी खामी सामने आती है तो उसका समाधान किया जाएगा। जेडीए ने इस परियोजना को लेकर गंभीरता दिखाई है और वरिष्ठ अधिकारी स्थल का निरीक्षण करेंगे। यदि तकनीकी खामी सामने आती है, तो उसका समाधान होगा। इस प्रकार, जयपुर में सिग्नल फ्री योजना के तहत यू-टर्न का निर्माण एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसके साथ ही इसके संभावित खतरों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है। जेडीए को चाहिए कि वह इस योजना को लागू करने से पहले सभी पहलुओं पर विचार करे ताकि सड़क पर दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि न हो।

तेज रफ्तार कार से हादसा

न्यूज प्रतिनिधि जयपुर के सांगानेर इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता विष्णु (35) और उनकी तीन साल की बेटी सृष्टि की मौत हो गई। मां और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, हादसा देर रात करीब 12:30 बजे हुआ। कार चालक ने टक्कर मारने के बाद भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे टोंक रोड स्थित हल्दीघाटी गेट के पास पकड़ लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिता और बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जयपुरिया हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। पुलिस ने बताया कि चालक कार को भागाकर सांगानेर थाने की तरफ ले गया था। वहां से वह एक स्कूटी और अन्य बाइक सवारों को भी टक्कर मारता हुआ भागा। पुलिस ने अन्य घायलों की जानकारी जुटाने का काम शुरू कर दिया है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि टक्कर के समय धमाका सुनाई दिया, जिससे लोग दहशत में आ गए। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं की एकजुटता से चुनावी प्रक्रिया को गति मिलेगी

राजस्थान में नगर निकाय चुनाव की नई प्रक्रिया

खर्रा ने बताया कि भाजपा का कार्यकर्ता चुनावों में सक्रिय रहेगा

न्यूज प्रतिनिधि राजस्थान में नगर निकाय चुनावों की तैयारियों के तहत यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि इस बार चुनाव पार्षदों द्वारा ही होंगे। उन्होंने बताया कि मेयर, सभापति और पालिकाध्यक्ष का चुनाव नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं में पार्षदों के बीच होगा। खर्रा ने राजस्थान सरकार की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीएम भजनलाल शर्मा की अगुवाई में सड़क, बिजली, पानी, कानून व्यवस्था और पेपर लीक के मामलों में ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के हर तबके के लिए बीते 31 महीने में जनकल्याणकारी कार्य हुए हैं। पंचायत और निकाय चुनाव में देरी के सवाल पर खर्रा ने सफाई दी कि 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी आरक्षण तय करने के आदेश दिए थे। उस समय प्रदेश की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने कुछ नहीं किया। खर्रा ने बताया कि जब 2024 में भाजपा की सरकार आई, तो ओबीसी आयोग का गठन किया गया। ओबीसी आयोग को प्रशासन के सहयोग से अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी के आंकड़े जुटाने थे। खर्रा ने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि चुनाव आते ही चुनाव संचालन समिति और अन्य कार्यक्रम तैयार होते हैं। उन्होंने बैठक में मौजूद प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी और संभाग प्रभारी शंकर सिंह राजपुरोहित से फीडबैक भी लिया। बैठक में श्रवण सिंह बगड़ी ने कहा कि भाजपा एक परिवार है और इसका हर सदस्य कार्यकर्ता है। उन्होंने बताया कि भाजपा की जीत कार्यकर्ताओं की एकजुटता से ही संभव है। बैठक में सीकर जिले के सभी विधायक, विधानसभा प्रत्याशी, पूर्व विधायक, जिलाध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्ष और प्रमुख पदाधिकारी मौजूद थे। खर्रा ने कहा कि हमारी सरकार के समय एक बार निकाय चेयरमैन का सीधा चुनाव कराया गया था, जिसमें चेयरपर्सन और पार्षदों के बोर्ड अलग-अलग विचारधारा के बन गए थे। इससे विकास कार्य प्रभावित हुए थे और पांच साल तक उन बोर्डों में खींचतान चलती रही।

श्रद्धालुओं के लिए मुश्किलें बढ़ीं

डेस्क संवाददाता जयपुर की ओर से शिवाड़ आने वाली सड़क पर कुशवाह मोहल्ले के पास सड़क की स्थिति बेहद खराब हो गई है। यहां बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिनमें बारिश का पानी भर जाने से वाहन चालकों को गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। यह स्थिति खासकर सावन महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के साथ और गंभीर हो गई है। कांवड़ लेकर पैदल आने वाले यात्रियों को भी इन्हीं गड्ढों और पानी के बीच से गुजरना पड़ रहा है। श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि के कारण इस सड़क पर वाहनों का दबाव भी बढ़ गया है। कई मोटरसाइकिल चालक गड्ढों के कारण परेशान हैं, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है। सारसोप मोड़ की सड़क की स्थिति भी चिंताजनक है। यह मार्ग शिवाड़ कस्बे को जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों से जोड़ता है, जिससे दिनभर सैकड़ों वाहनों का आवागमन होता है। मुख्य सड़कों पर जगह-जगह बने गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से वाहन चालकों और पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि सावन महोत्सव शुरू होने से पहले ही उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग से शिवाड़ को अन्य क्षेत्रों से जोड़ने वाली प्रमुख सड़कों के गड्ढे भरने और पेचवर्क करवाने की मांग की थी। लेकिन विभाग ने इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। कांवड़ यात्राओं और पदयात्राओं के चलते शिवाड़ में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ गई है। ऐसे में शिवाड़ के मुख्य प्रवेश मार्गों की बदहाल सड़कें श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं।

कांग्रेस ने प्रदर्शन के दौरान सरकार को दी चेतावनी, मुद्दों को उठाया

कांग्रेस ने जयपुर में किया बड़ा प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख कांग्रेस ने जयपुर में 'हिसाब मांगो रैली' का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सरकार पर तीखा हमला बोला। खाचरियावास ने कहा कि अगर पृथ्वीराज नगर में एक भी मकान टूटा, तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को सिविल लाइंस से बाहर नहीं निकलने देंगे। खाचरियावास ने जनता के हक की लड़ाई को सड़क से लेकर विधानसभा तक जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आम जनता के साथ खड़ी है, और सरकार को लोगों के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम के कामकाज को लेकर सरकार के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रैली को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान कई कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड पर चढ़ गए और आगे बढ़ने की कोशिश की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार और नगर निगम शहर की जनता को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने सड़क, सफाई, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट, अतिक्रमण और कर वसूली जैसे मुद्दों को उठाया। कांग्रेस नेताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम की ओर बढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए पूरी ताकत लगा दी। इस दौरान कई कार्यकर्ता घायल भी हुए। राजनीतिक जानकार इस प्रदर्शन को आगामी निकाय चुनावों से पहले कांग्रेस के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहे हैं। बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं के जरिए कांग्रेस ने स्थानीय मुद्दों को चुनावी एजेंडे में लाने की कोशिश की। खाचरियावास के आक्रामक तेवर ने प्रदर्शन को और राजनीतिक धार दे दी। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता, चाहे पुलिस कितनी भी लगा लो।

पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया

विशेष स्थानीय प्रतिनिधि

जांच में पुलिस ने पाया कि गिरोह के सदस्य पहले मजदूरी करते थे, लेकिन अचानक उनकी आर्थिक स्थिति में बदलाव आ गया। इस मामले में अभी और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

रिपोर्टर डेस्क माणकचौक थाना पुलिस और स्पेशल टीम (डीएसटी जयपुर उत्तर) ने पुरानी हवेली के मलबे से निकले गुप्त धन और कीमती सामान को खुर्द-बुर्द करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा (आईपीएस) के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस, सीडीआर और मुखबिर तंत्र के जरिए आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखी। जांच में पता चला कि जो आरोपी पहले मजदूरी या छोटे काम करते थे, वे अचानक बड़े पैमाने पर पैसे खर्च करने लगे थे। पुलिस ने वित्तीय गतिविधियों और संदिग्ध गतिविधियों के पुख्ता सबूत मिलने के बाद दबिश देकर सभी पांचों आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार अभियुक्तों में महेश मल्होत्रा उर्फ छोटू, जगदीश राजोरिया, ओमप्रकाश खींची उर्फ पप्पू, अनुज अरोड़ा और रजनी मल्होत्रा शामिल हैं। पुलिस ने मामले में शामिल महेश मल्होत्रा उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो बड़ी चांदी की सिल्लियां बरामद की हैं। इस कार्रवाई में डीएसटी जयपुर उत्तर के हेड कांस्टेबल जयसिंह की अहम भूमिका रही। क्या था मामला: त्रिपोलिया बाजार (विद्याधर का रास्ता) स्थित भवन संख्या 630 के मालिक राहुल सेठी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके पुराने भवन को तोड़कर नया निर्माण कराने का ठेका 'डिवाइन-जयपुर' के माध्यम से महेश मल्होत्रा उर्फ छोटू को दिया गया था। अनुबंध के अनुसार तुड़ाई में मिलने वाली किसी भी मूल्यवान संपत्ति को मालिक को सौंपना तय हुआ था। हालांकि, तुड़ाई के दौरान मिलीं लगभग 66.400 किलोग्राम चांदी की सिल्लियां, सोने के सिक्कों से भरे 8 कलश और 14 सिक्के ठेकेदार महेश मल्होत्रा ने अपने साथियों के साथ मिलकर छुपा लिए और आपस में बांट लिए। पुलिस ने बताया कि घटना के समय मौके पर कोई भौतिक साक्ष्य या सीसीटीवी उपलब्ध नहीं था। ऐसे में पुलिस की चुनौतीपूर्ण तफ्तीश के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी संभव हो पाई। पुलिस अब आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है, जिससे सोने के कलश व अन्य बहुमूल्य सामान की बरामदगी होने की संभावना है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल और एसीपी पीयूष कविया के निर्देशन में थानाधिकारी राकेश ख्यालिया और डीएसटी प्रभारी दिलीप सोनी की विशेष टीम गठित की गई। इस मामले में पुलिस ने गहन जांच की और सभी संदिग्ध गतिविधियों को ट्रैक किया।

जयपुर में चुनावी प्रक्रिया में बदलाव, अफ़सरों की स्थिति कमजोर

न्यूज रिपोर्टर पिछले चुनावों में मिली हार के बाद नेताओं ने अपने चुनावी मुद्दों पर पुनर्विचार किया है। जनता की अपेक्षाएँ अब पहले से कहीं अधिक बढ़ गई हैं। उन्हें अब विकास और सुविधाओं की आवश्यकता है। अगले चुनाव में कौन सी पार्टी बाजी मारेगी, यह तो समय बताएगा। लेकिन, मौजूदा हालात में जनता की राय महत्वपूर्ण रहेगी। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि इस बार चुनावी नतीजे अप्रत्याशित हो सकते हैं।

जयपुर में चुनावी माहौल अब गरमाने लगा है।

सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुट गए हैं।

जयपुर में निकाय चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने खर्च सीमा निर्धारित की है

जयपुर में निकाय चुनाव की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। शहर वर्तमान में 'मेयर विहीन' और सभी वार्ड 'पार्षद विहीन' हैं। निगम में केवल अफ़सरों का राज चल रहा है। जब भी कोई टूटी सड़क या ओवरफ़्लो सीवरेज की शिकायत लेकर जाता है, तो अफ़सर तुरंत 'लंच ब्रेक' का बोर्ड टांग देते हैं। भावी पार्षदों की भी हालत खराब है। चुनाव टलने के कारण महीनों से वे पूरे वार्ड के दुख-दर्द का 'फ्री ठेका' लिए बैठे थे। किसी के घर शादी हो या मुंडन, सबसे बड़ा लिफाफा और सबसे चौड़ी मुस्कान इन्हीं की होती थी। अब जैसे ही नए परिसीमन का चाबुक चला है, पुराने वोट बैंक का गणित धुआं-धुआं हो गया है। एक बार फिर से चुनावी समीकरण बदलने वाले हैं। जनता अब 'भावी पार्षद जी' को देखकर चुटकी ले रही है। वे बायोडाटा की फाइल बगल में दबाए हाथ जोड़े खड़े हैं। जनता पूछ रही है, 'नेताजी, पहले अफ़सरों से तो एक बंद लाइट चालू करवा के दिखाओ, फिर वोट की बात करना! ' राज्य सरकार ने हाल ही में 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' का मास्टरस्ट्रोक खेलकर जयपुर निगम की एकीकृत घोषणा की है। इस निर्णय से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। चुनाव आयोग ने ₹3.50 लाख की कड़क 'खर्च सीमा' लागू कर दी है। इस स्थिति में भावी नेता चुपके से समोसा खिलाने में भी दो बार जेब टटोल रहे हैं। चुनाव आयोग की नई दिशा-निर्देशों के अनुसार, नेताओं को अब सीमित बजट में चुनावी प्रचार करना होगा।

जयपुर में चुनावी माहौल में मिर्च-मसाला बढ़ता जा रहा है

राज्य सरकार के इस निर्णय ने राजनीतिक दलों में हलचल मचा दी है। सभी दल अब अपनी रणनीतियों को फिर से तैयार कर रहे हैं। जयपुर के नागरिक अब बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं।

सिंध मुहिंजी अम्मा सेमिनार में विभाजन की त्रासदी का स्मरण

सिंधी समाज ने अपने गौरवमयी इतिहास को संजोए रखा है

विशेष प्रतिनिधि सिंध मुहिंजी अम्मा' सेमिनार में विभाजन के समय की त्रासदी को याद किया गया। इस सेमिनार का आयोजन भारतीय सिन्धू सभा ने मालवीय नगर स्थित देवर्षि नारद सभागार में किया। इस कार्यक्रम में 'जर्नी ऑफ सिंधीज' नामक एक वीडियो का प्रदर्शन किया गया, जिसने उपस्थित सभी लोगों की आंखों में आंसू ला दिए। वीडियो ने उस समय की याद ताजा कर दी जब सिंधी परिवारों को अपनी जन्मभूमि, घर, और कारोबार छोड़कर अनजान भविष्य की ओर कदम बढ़ाने को मजबूर होना पड़ा था। दुर्गापुरा कैंप विभाजन के बाद जयपुर पहुंचे सिंधी परिवारों के लिए केवल एक अस्थायी ठिकाना नहीं था, बल्कि यह उनकी नई जिंदगी का पहला पड़ाव बन गया। संरक्षक मोहन लाल वाधवाणी और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र तीरथाणी ने बताया कि दुर्गापुरा कैंप में सीमित साधनों के बावजूद, लोगों ने अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश की। कई परिवारों ने छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू किए, जैसे कि दुकानें लगाना और मजदूरी करना। बापू बाजार और नेहरू बाजार, जो नाले के किनारे बसे हुए हैं, आज भी इस मेहनती समाज की मेहनत और व्यापारिक सूझबूझ का जीवंत उदाहरण हैं। सिंधी परिवार विभाजन के समय कुछ नहीं लेकर आए, लेकिन वे अपनी संस्कृति, संस्कार और मेहनत को अपने साथ ले आए थे। डॉ. प्रदीप गेहानी ने कहा कि सिंध केवल एक भू-भाग नहीं, बल्कि एक मां की तरह था। सेमिनार में उपस्थित बुजुर्गों ने विभाजन के समय की कठिनाइयों को साझा किया। कई बुजुर्ग अपने पुश्तैनी घरों को आखिरी बार देखकर निकले और फिर कभी वापस नहीं लौट सके। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि आज की युवा पीढ़ी को यह बताना बेहद जरूरी है कि उनकी वर्तमान सफलताओं के पीछे पूर्वजों का कितना बड़ा बलिदान छिपा है। विभाजन विभीषिका दिवस केवल दुख मनाने का दिन नहीं है, बल्कि उन लाखों पूर्वजों को नमन करने का दिन है जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी पहचान को खोने नहीं दिया। प्रदेश महामंत्री ईश्वर मोरवाणी ने सेमिनार में कहा कि संस्कृति और संस्कारों का संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

श्रद्धालुओं को चातुर्मास में शामिल होने का आमंत्रण

विशेष संवाददाता आचार्य पुलकसागर ने मानव जीवन को दुर्लभ बताते हुए वर्तमान को सुधारने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने भीतर भगवान को विराजमान करना चाहिए, जिसके लिए मन को कषाय-मुक्त करना आवश्यक है। केवल इसी स्थिति में आत्मा के अनंत गुण प्रकट हो सकते हैं। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन और शास्त्र भेंट का सौभाग्य एक परिवार को प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि महोत्सव में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंचेंगे और देश-प्रदेश से भी श्रद्धालु भीलवाड़ा आएंगे। समिति के संयोजक मनीष शाह के अनुसार 15 से 14 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 8.30 से 10 बजे तक प्रवचन होंगे।

शाम 7 से 8 बजे तक आनंद यात्रा और आरती का आयोजन किया जाएगा।

सह संयोजक लोकेश अजमेरा ने बताया कि चातुर्मास का प्रमुख आकर्षण 15 से 30 अगस्त तक चित्रकूटधाम में आयोजित होने वाला "ज्ञान गंगा महोत्सव" रहेगा।

इस महोत्सव में अनेक धार्मिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को लाभ होगा।

राष्ट्र संत पुलकसागर महाराज ने धर्म संदेश देते हुए कहा कि मनुष्य जीवन अनमोल है, इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। उन्होंने बताया कि जो सच्चे मन से जिनवाणी का श्रवण करता है, वह जीवन के परम लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ सकता है। आचार्य ने यह भी कहा कि भावों की शुद्धि होने पर ही व्यक्ति जिनवाणी-श्रवण का पात्र बनता है। सांसारिक साधन कषाय को बढ़ाते हैं, इसलिए व्यक्ति को अपने भावों को शुद्ध करना चाहिए। इस प्रकार चातुर्मास की धार्मिक साधना में श्रद्धालुओं को आने का आमंत्रण दिया गया है। आचार्य पुलकसागर के विचारों से प्रेरित होकर लोग अपने जीवन को सुधारने के लिए तत्पर रहेंगे।

सिंधी समाज के युवाओं के लिए प्रशासनिक सेमिनार का आयोजन

ब्यूरो रिपोर्टर सिंधी समाज के मेधावी युवाओं के लिए जयपुर में एक भव्य सेमिनार आयोजित होने जा रहा है। यह आयोजन संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रशासनिक सेवाओं में भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। सेमिनार का आयोजन 2026 को बनीपार्क स्थित 'खुदाबादी सोनारा कम्युनिटी सेंटर' में होगा। कार्यक्रम में यूपीएससी के विशेषज्ञ डॉ. दीक्षिता अजवानी और जाने-माने सिंधी विशेषज्ञ श्री गोविंद मेलवानी विशेष रूप से शिरकत करेंगे। ये एक्सपर्ट्स युवाओं को सिविल सेवा परीक्षा की सही रणनीति और टाइम-मैनेजमेंट के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। सभी प्रतिभागियों को मुख्य परीक्षा में उत्तर-लेखन की प्रभावकारी शैली और साक्षात्कार का सामना करने के गुर भी सिखाए जाएंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सिंधी को वैकल्पिक विषय के रूप में चुनने के फायदों पर विशेष टिप्स भी दिए जाएंगे। संस्थान के सचिव राकेश कृपलानी ने जानकारी दी कि सेमिनार का शुभारंभ श्री अमरापुर दरबार के पूज्य संत श्री मोहन प्रकाश जी महाराज के पावन कर-कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ होगा। इस सेमिनार में वर्तमान में प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है। जयपुर जिलाध्यक्ष दीपक वरंदानी और उनकी टीम विभिन्न सामाजिक पंचायतों और संस्थाओं से संपर्क कर युवाओं को पंजीकृत करने में जुटी हुई है। यह आयोजन युवाओं में नया जोश भरने और उन्हें सफलता की कहानियों से प्रेरित करने का काम करेगा। कार्यक्रम की समय-सारणी के अनुसार, प्रतिभागी प्रातः 10:00 बजे से पंजीकरण कर सकेंगे, इसके बाद मोटिवेशनल एवं मार्गदर्शन सत्र प्रातः 10:30 से 02:30 बजे तक चलेगा। इससे पूर्व संस्था द्वारा राजस्थान के विभिन्न जिलों में भी ऐसे सेमिनार आयोजित किए जा चुके हैं। नागपुर मुख्यालय द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को न्यूनतम दरों पर कोचिंग सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सिंधी सेंट्रल पंचायत में श्री मोहन गुरनानी और श्री मोहन सुखानी की मुख्य संरक्षक नियुक्ति

वरिष्ठ प्रतिनिधि पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत, जयपुर महानगर ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए श्री मोहन गुरनानी और श्री मोहन सुखानी को मुख्य संरक्षक के रूप में मनोनीत किया है। यह घोषणा होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष गिरधारी मनकानी द्वारा की गई। समारोह के दौरान उपस्थित सभी गणमान्य बंधुओं ने श्री मोहन सुखानी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने भगवान श्री झूलेलाल जी से श्री मोहन सुखानी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की। पंचायत के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के दो प्रमुख स्तम्भों और अनुभवी उद्योगपतियों का मुख्य संरक्षक के रूप में जुड़ना पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत के लिए गौरवपूर्ण है। यह निर्णय समाज को मार्गदर्शन और अनुभव के माध्यम से नई ऊर्जा प्रदान करेगा। संस्थान के महासचिव धर्मदास मोटवानी ने इस निर्णय के लिए अध्यक्ष गिरधारी मनकानी, श्री नारायण दास नाजवानी, श्री प्रमोद नावानी, श्री अर्जुन दास मेहरचन्दानी और उपस्थित सभी गणमान्य बंधुओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस निर्णय को समाजहित में अत्यंत सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि इससे समाज में एक सकारात्मक बदलाव आएगा और सभी उद्योगपतियों को एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

गुरु का महत्व

संवाददाता डेस्क केसरसिंह राठौड़ ने भारतीय संस्कृति में गुरु के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि गुरु को ईश्वर के समान स्थान दिया गया है। उन्होंने शिक्षा के उद्देश्य को केवल रोजगार तक सीमित न रखते हुए संस्कारित और राष्ट्रहित में समर्पित नागरिक तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. ममता शर्मा ने गुरुवंदन के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरु की शिक्षा व्यक्ति को जीवन में समायोजन सिखाती है और सही मार्ग दिखाती है। इस संदर्भ में, उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित किया। एबीआरएसएम जिलाध्यक्ष डॉ. श्याम सुंदर मीणा ने सीखने की निरंतर प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा कभी समाप्त नहीं होती, यह हमेशा चलती रहती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. करणसिंह ने किया।

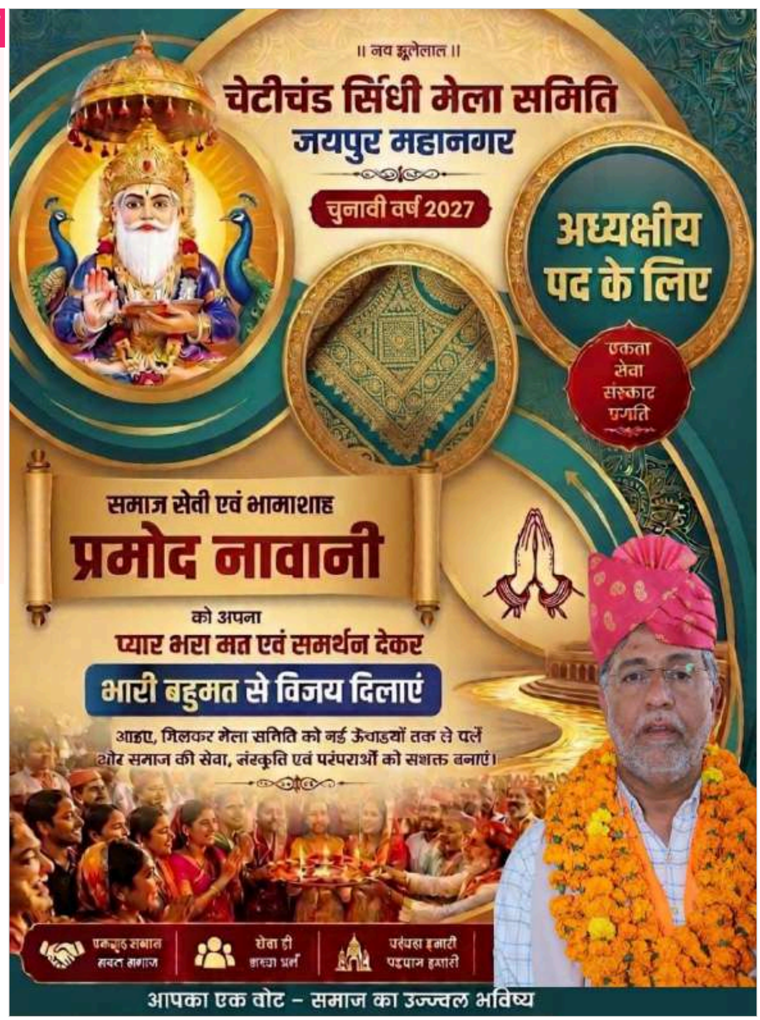

कलश वंदन यात्रा का स्वागत हुआ भव्य

डेस्क प्रतिनिधि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 650वें जयंती वर्ष पर जयपुर से निकली पावन कलश वंदन यात्रा का कल्याणपुर में श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया। पुष्पवर्षा के साथ यात्रा का अभिनंदन किया गया। कल्याणपुर में राम रसोड़ा में कल्याणपुर मंडल और मंडली मंडल का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस मौके पर कलश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। आरती भी हुई। पचपदरा श्रीराम मंदिर में पचपदरा मंडल का कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम के दौरान समरसता संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। लोकसभा प्रभारी महेश बी चौहान ने संत गुरु रविदास महाराज के समता, सद्भाव, सामाजिक समरसता और मानव सेवा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने गुरु रविदास महाराज के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। समाज में समरसता, सद्भाव और एकता मजबूत करने की बात कही गई। इस कार्यक्रम में लोकसभा प्रभारी महेश चौहान, जिला प्रवक्ता और कार्यक्रम के जिला सह संयोजक धर्मेंद्र दवे, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यालय सह मंत्री शंकर भाटी, विधानसभा प्रभारी हितेश पटेल, कल्याणपुर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल जाखड़, मंडली मंडल अध्यक्ष तिलोक पालीवाल और कई जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश और केंद्र नेतृत्व की ओर से रविदास का 650वां जयंती वर्ष पूरे भारत में मनाया जा रहा है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक जयप्रकाश बूलचंदानी द्वारा ताराचंद कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 17, मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर (राज.) - 302012 से मुद्रित एवं 123/215, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर (राज.) - 302020 से प्रकाशित। संपादकीय कार्यालय 123/215, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर (राज.) - 302020 ।
संपादक - जयप्रकाश बूलचंदानी, समाचार पत्र में समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जयपुर न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।) RNI NO. RJHIN/26/A6388, मोबाइल-9649457589